हरिभूमि
रायपुर भूमि

बदहाल जीवनदायिनी खारुन....

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर और आसपास के क्षेत्रों के लिए जीवनदायिनी खारुन नदी गंदगी से बजबजा रही है। यहां पानी में प्लास्टिक के डिस्पोजल, चिप्स के पाउच, कचरा, गंदगी एवं पूजा सामग्री के अवशेष और तैरते नजर आते हैं। वहीं फैक्ट्रियों का केमिकल भी इसके पानी में झाग के रूप में दिखता है। कहीं-कहीं तो जलकुंभी का कब्जा हो गया है। ऐसा लगता है, जैसे जिम्मेदार अधिकारियों खारुन की बदहाली दूर करने गंभीर नहीं हैं।

खबर संक्षेप

दो बंगलों में धावा, लाखों के जेवर-कैश किए पार

रायपुर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की रिहायशी पॉश कॉलोनी लॉ विस्टा के दो बंगलों में अज्ञात चोर धावा बोलते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी पार कर दिए। पेशे से दवा के थोक कारोबारी अमलीडीह निवासी अमरपाल सिंह हूरा ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। अमरपाल ने पुलिस को बताया कि शनिवार देर रात वह अपने परिवार के साथ मकान की ऊपरी मंजिल पर सोने चला गया। रविवार सुबह आठ बजे नीचे प्रथम तल में आकर देखा तो मकान की खिड़की तथा आलमारी का ताला टूटा हुआ था। आलमारी में रखी नगदी रकम 1.80 लाख रुपए के साथ सोने के जेवर गायब मिले। वहीं अमित गोयल के बंगला नंबर-142 में भी चोरों ने घटना को अंजाम दिया है।

शराब पीकर वाहन चलाते धरे गए 63 नशेड़ी

रायपुर। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ ट्रैफिक के साथ संबंधित थानों की पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में शनिवार रात ट्रैफिक एसीपी सतीश ठाकुर के नेतृत्व में शहर के 9 स्थान तेलीबांधा, पचपेड़ी नाका, भाठागांव, टाटीबंध, कालीबाड़ी, जयस्तंभ ,भनपुरी चौक एवं पंडरी थाना के सामने पर यातायात के अधिकारियों एवं जवानों की टीम बनाकर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाते हुए कुल 63 वाहन चालकों में 41 कार, 10 मोटर साइकिल, 7 टाटा एस, 2 मेटाडोर, 3 ट्रक को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर उन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

चाकू लहराकर दहशत फैलाते बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस द्वारा बदमाशों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आमानाका पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। गश्त के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि छठ तालाब के पास एक युवक हाथ में धारदार चाकू लहराकर आम जनता को डरा-धमका रहा है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना पर पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची, जहां फैजल अहमद अंसारी को चाकू के साथ लोगों को धमकाते हुए धर-दबोचा।

आपसी रंजिश के चलते रास्ते में रोककर मारपीट

रायपुर। पुरानी बस्ती थाने में एक युवक ने एक अन्य युवक तथा उसके साथी के खिलाफ आपसी रंजिश के चलते रास्ते में रोककर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुशालपुर निवासी सतीश बंजारी ने बबलू यादव तथा उसके साथी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। सतीश ने पुलिस को बताया कि बबलू तथा उसके साथी ने आपसी रंजिश के चलते उसे रास्ते में रोका और उसके साथ मारपीट की।

ज्यादा डिस्काउंट, होम डिलीवरी देकर छीन रहे कारोबार, स्थानीय व्यापारियों की आपत्ति

ई-फार्मेसी के निशाने पर दवा बाजार छत्तीसगढ़ में छीन लिया 40 फीसदी धंधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

ज्यादा डिस्टाउंट और घर तक दवा पहुंचाने जैसी सुविधा देने वाली ई-फार्मा कंपनियां परंपरागत दवा बाजार को प्रभावित करने लगी हैं। कोरोना महामारी के दौरान दी गई इस सुविधा ने छत्तीसगढ़ में करीब 40 फीसदी दवा कारोबार पर कब्जा कर लिया है। छत्तीसगढ़ में करीब डेढ़ सौ फार्मा कंपनियां ऑनलाइन दवा का कारोबार कर रही हैं, जिस पर स्थानीय व्यापारियों द्वारा काफी समय से आपत्ति की जा रही है। तर्क है कि आपदा का समय बीत चुका है, इसलिए ऑनलाइन कारोबार की अधिसूचना को वापस लेना चाहिए।

डिजिटल क्रांति और इंटरनेट के बढ़ते प्रचार ने कई क्षेत्रों को आसान बनाया है। वहीं इसके माध्यम से होने वाले ऑनलाइन दवा के कारोबार ने पारंपरिक व्यवसाय के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है। ऑनलाइन खरीदी का ट्रेंड का शौक रखने वाला वर्ग अब जरूरी दवाओं का आर्डर भी इसके माध्यम से करने लगा है। लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ई-फार्मा कंपनियां कीमतों में ⏭ शेष पेज 11 पर

सुरक्षा की कम गारंटी

ई-फार्मेसी के माध्यम से खरीदी गई दवा में जोखिम की संभावना होती है और उसके सुरक्षित होने की गारंटी कम होती है। अनियंत्रित ई-फार्मेसी संचालन एवं अत्यधिक छूट आधारित व्यापार व्यवस्था से पारंपरिक औषधि वितरण प्रणाली प्रभावित हो रही है। इससे नशीली दवाओं की आसान उपलब्धता नकली प्रिस्क्रिप्शन तथा गलत भंडारण जैसी समस्याएं जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं।

- **अश्वनी विग,** उपाध्यक्ष जिला दवा विक्रेता

दवा व्यापार और ई-फार्मेसी

1. दवाओं के अलावा सर्जिकल सहित 24 हजार प्रोडक्ट की हो रही ऑनलाइन बिक्री
2. राज्य में दवा एवं सर्जिकल आयटम का हर महीने लगभग दो सौ करोड़ का कारोबार
3. वन-एमजी, फार्मा ईजी, मैट प्लस सहित डेढ़ सौ कंपनियां कर रहीं कारोबार

जोखिम इस तरह

1. नशीली दवाओं की बढ़ती खपत पर नियंत्रण का कोई तरीका नहीं
2. डॉक्टरों की स्वीकृति के बिना एंटीबायोटिक्स की अनियंत्रित बिक्री
3. दवाओं की क्वालिटी की गारंटी नहीं, शिकायत करने कोई मंच भी नहीं

फायदे के साथ जोखिम भी

ऑनलाइन आर्डर से कम कीमत पर दवा मिलने के फायदे के साथ इसका नुकसान भी है। सूत्रों के मुताबिक, ऑनलाइन कंपनियां थोड़ी मात्रा में दवा की सप्लाई नहीं करतीं, इसके लिए उन्हें थोक में आर्डर करना पड़ता है। दवाओं की क्वालिटी, एक्सपायरी, उसके सही अथवा गलत होने की जानकारी नहीं मिल पाती। जबकि स्थानीय दवा कारोबारियों से खरीदी की गई दवाओं में आने वाली समस्याओं का निराकरण विभिन्न स्तर पर किया जा सकता है।

छूट के नाम पर खेल

दवा कारोबार में एनपीए द्वारा शेड्यूल की गई दवाओं में पारपंरिक दवा कारोबारियों के लिए होलसेल में आठ तथा रिटेलर के लिए 16 प्रतिशत तथा नॉनशेड्यूल दवाओं में थोक के लिए दस तथा चिल्हर के लिए 20 प्रतिशत मार्जिन तय है। नॉनशेड्यूल दवाएं बिना पर्ची के भी दवा दुकानों में बिक्री की जाती है। ऑनलाइन कंपनी सीधे कंपनी से खरीदी कर ग्राहकों तक दवा पहुंचाती है, इसलिए आम लोगों को कम कीमत पर दवा मिल जाती है। हालांकि ऑनलाइन तरीके से भेजी जाने वाली दवाओं की गुणवत्ता पर संदेह होता है।

गाली-गलौज करने से रोकने पर विवाद, दो पक्षों में खूनी संघर्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- दोनों पक्ष के सात आरोपियों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किया गिरफ्तार
- दुर्ग से उर्स मनाकर लौट रहे युवकों को गाली-गलौज करने से रोकने पर बढ़ा विवाद

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में भाठागांव के पास गाली-गलौज करने से मना करने के विवाद पर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। घटना रविवार तड़के साढ़े पांच से छह बजे के बीच की है। मारपीट, चाकूबाजी की घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के सात युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनका अभी तक किसी तरह का पुलिस रिकार्ड होने की बात सामने नहीं आई है। दोनों पक्षों के खिलाफ पुलिस ने बलवा, हत्या की कोशिश सहित अन्य गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज किया है।

चाकूबाजी तथा मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने पुरानी बस्ती निवासी सैयद अनीस अली, सोहेल खान तथा आजाद चौक निवासी शेख फैजल के अलावा दूसरे पक्ष की ओर से डीडीनगर निवासी शिवम शर्मा, पुरानी बस्ती निवासी करण सिंह ठाकुर, परमेश्वर वैष्णव, पुरुषोत्तम उर्फ पतालू ध्रुव को गिरफ्तार किया ⏭ शेष पेज 11 पर

देखते ही देखते विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील

पुलिस के मुताबिक, विवाद के दौरान अनीस तथा उसके साथी दूसरे पक्ष के लड़कों के साथ मारपीट करने लगे। दूसरे पक्ष के लोगों ने भी चाय दुकान के पास पड़ी लाठी से पहले पक्ष के लड़कों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान अनीस के एक साथी ने जेब से चाकू निकालकर दूसरे पक्ष के लड़के पर हमला कर दिया। दोनों पक्षों में जारी मारपीट रोकने किसी की हिम्मत नहीं हुई। इस दौरान किसी ने डॉयल-112, पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल लेकर गई। मारपीट, चाकूबाजी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

रातभर बत्ती गुल

शहर की 43 पानी टंकियां खाली, सुबह नल नहीं खुले

- शनिवार की शाम तेज आंधी-तूफान और बारिश से बिजली व्यवस्था ठप का दिखा असर
- रविवार की सुबह 3 बजे तक विद्युत विभाग, जल विभाग के अधिकारी मरम्मत में जुटे रहे
- दोपहर बाद फिल्टर प्लांट से भरीं शहर की टंकियां, शाम को नियमित जल आपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के कई इलाकों में शनिवार की शाम आंधी तूफान और तेज बारिश के बीच पेड़ गिरने, बिजली के खंबे क्षतिग्रस्त होने और गरज-चमक के बीच ट्रांसफार्मर उड़ने से विद्युत व्यवस्था ठप रही। इसका सीधा असर रायपुर नगर निगम की जलप्रदाय व्यवस्था पर देखने को मिला। फिल्टर प्लांट के पंपिंग स्टेशन में बिजली ठप होने शहर की पानी टंकियां भर नहीं पाईं। यही नहीं, रात को पानी की फिल्टरिंग और पानी टंकियों में जलभराव का काम पूरी तरह रुक गया, जिसके कारण रविवार की सुबह पूरे शहर में जल आपूर्ति बाधित रही।

शहर के 15 लाख रहवासियों को रविवार की सुबह नगर निगम के नलों से पानी नहीं मिला। लोग सुबह के समय नल नहीं खुलने से परेशान रहे। इसकी वजह जानने कुछ जोन दफ्तर तो कुछ ने पार्षदों को फोन लगाया। पूछने पर पता चला कि शनिवार की शाम आए आंधी-तूफान और बिजली के खंबों पर पेड़ गिरने से शहर में विद्युत व्यवस्था प्रभावित होने से यह स्थिति पूरे शहरभर में बनी हुई है।

शनिवार की रात तेज हवा से जगह-जगह टूट कर गिरे बिजली तारों, सड़क पर उखड़ कर गिरे हुए पेड़ों को हटाने टीम लगी रही। फिल्टर प्लांट के प्रभारी अधिकारी नरसिंग फरेंद्र ने बताया कि बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ जल विभाग की टीम रात भर विद्युत आपूर्ति सुचारू करने लगी रही। इसके बाद प्रभावित फीडरों को चालू करने के बाद रविवार की सुबह 3 बजे विद्युत आपूर्ति सामान्य हुई। चूंकि शहरभर में विद्युत व्यवस्था बाधित रही, इसलिए नगर निगम 43 नई व पुरानी पानी टंकियां को भर नहीं पाए।

दोपहर बाद टंकियों में जलभराव

जल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, दोपहर बाद शहर की पानी टंकियों को भरने का काम शुरू किया गया। 43 पानी टंकियों को पूरी क्षमता के साथ भरने के बाद शाम के समय शहर में नियमित जल आपूर्ति की गई। जल आपूर्ति सामान्य होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

सरकारी जमीन से डेयरी फैक्ट्री का अवैध कब्जा हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- बाउंड्रीवाल किया ध्वस्त, जोन-9 की कार्रवाई

नगर निगम जोन-9 की टीम ने रविवार को महात्मा गांधी वार्ड स्थित सड्डू में 1.45 एकड़ सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को जेसीबी मशीन से हटा दिया। चंदन डेयरी फैक्ट्री द्वारा सरकारी जमीन पर बनाए गए अवैध बाउंड्रीवॉल और शेड को हटाया गया है। साथ ही सिक्योरिटी गार्ड के लिए बनाए गए अवैध शेड को भी हटाने में टीम ने तत्परता दिखाई। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेश और निगम आयुक्त ⏭ शेष पेज 11 पर

सरस्वती नगर हॉल्ट के प्लेटफॉर्म से अब नहीं गुजर सकेंगे दोपहिया वाहन, अवैध शार्टकट रास्ता किया बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खबर का असर

राजधानी के सरस्वती नगर हॉल्ट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 को शॉर्टकट के रूप में इस्तेमाल किए जाने के मामले में अब रेलवे सुरक्षा बल ने सख्त कदम उठाया है। प्लेटफॉर्म के बाहर लोहे की रेलिंग लगा दी गई है, जिससे अब दोपहिया वाहनों का प्लेटफॉर्म से गुजरना पूरी तरह बंद हो गया है। बता दें कि हरिभूमि ने 24 अप्रैल के अंक में "सरस्वती नगर हॉल्ट का प्लेटफॉर्म बना शॉर्टकट, हर 2 मिनट में यात्रियों के बीच दौड़ रही बाइक" शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। खबर में बताया गया था कि जिस प्लेटफॉर्म से प्रतिदिन 100 से अधिक यात्री और मालगाड़ियां गुजरती हैं, वहां रेलवे सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी करते हुए बाइक सवार प्लेटफॉर्म को रास्ते के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। इससे किसी भी समय बड़े हादसे की आशंका बनी रहती थी। खबर प्रकाशित होने के बाद आरपीएफ ने मामले को गंभीरता से लिया ⏭ शेष पेज 11 पर

सरस्वती नगर हॉल्ट का प्लेटफॉर्म बना 'शॉर्टकट'
हर 2 मिनट में यात्रियों के बीच दौड़ रहीं बाइक

प्लेटफार्म के बाद लगाई लोहे की रेलिंग, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित

सड़क निर्माण के दौरान हटाई गई थी पुरानी रेलिंग

जानकारी के अनुसार पहले स्टेशन मार्ग पर मजबूत लोहे की रेलिंग लगी हुई थी, जिससे वाहन प्लेटफॉर्म के बाहर ही रुक जाते थे। हालांकि प्लेटफॉर्म तक जाने वाले मार्ग पर नई सड़क निर्माण के दौरान पुरानी रेलिंग हटा दी गई थी। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद दोबारा बैरिकेडिंग या सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई, जिसका फायदा उठाकर लोगों ने प्लेटफॉर्म नंबर-1 को अवैध शॉर्टकट रास्ता बना लिया। बाइक सवार प्लेटफॉर्म पार करने के बाद दिव्यांगों और यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए रैंप से बाहर निकल जाते थे। इस रास्ते का उपयोग मुख्य रूप से समता कॉलोनी, रामनगर और कोटा जाने वाले लोग ⏭ शेष पेज 11 पर

सीबीएसई ने इस बार अपनाई है ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रक्रिया

खराब परिणाम के बाद उत्तरपुस्तिका हासिल करने घटाई दर, 700 की जगह देने होंगे सिर्फ 100 रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- बीते सत्रों से कमजोर रहे हैं परिणाम, कई स्तर पर हो रहा विरोध

अलग खबर

ऑन-स्क्रीन मार्किंग को लेकर चल रही बहस के बीच सीबीएसई ने एक अहम निर्णय लिया है। बोर्ड ने छात्रों के हित में कदम उठाते हुए पुनर्मूल्यांकन और उत्तर पुस्तिका सत्यापन की फीस में कमी की है, जिससे अब यह प्रक्रिया पहले से अधिक किफायती हो गई है। अब किसी छात्र से उत्तर पुस्तिका देखने के लिए 100 रुपए शुल्क लिया जाएगा, उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन के लिए 100 रुपए और किसी विशेष प्रश्न के उत्तर की पुनः जांच के लिए 25 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जांच प्रक्रिया में छात्र के अंक बढ़ते हैं या संशोधित होते हैं, तो उससे लिया गया पूरा शुल्क वापस कर दिया जाएगा। सीबीएसई ने कहा, उनके लिए सभी छात्रों का हित सबसे ऊपर है। किसी भी छात्र को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि उसके वास्तविक प्रदर्शन के अनुसार उसे कम अंक मिले हैं।

पारदर्शी बनाने निर्णय

बोर्ड के अनुसार, पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था पहले से ही सीबीएसई में मौजूद है। अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी अंकों की गणना पूरी तरह सही और सटीक हो। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर कोई छात्र अपनी उत्तर पुस्तिका देखना या उसका सत्यापन कराना चाहता है, तो इसके लिए अब पहले से कम शुल्क लिया जाएगा, ताकि यह प्रक्रिया छात्रों के लिए आसान और पारदर्शी बन सके। सीबीएसई स्कूलों में आरटीई के अंतर्गत 25 प्रतिशत छात्र बीपीएल होते हैं। इन विद्यार्थियों के लिए पुनर्मूल्यांकन अथवा पुनर्गणना के लिए इतनी अधिक राशि प्रदान कर पाना संभव नहीं होता है। नए नियम से वे भी पुनर्मूल्यांकन-पुनर्गणना के लिए आसानी के साथ आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन एक साथ

इस प्रक्रिया के पहले चरण में प्रति विषय उत्तर पुस्तिका की स्कैन की गई कॉपी प्राप्त करने के लिए 700 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया था। इसके बाद दूसरे चरण में त्रुटि सत्यापन के लिए 500 रुपए प्रति उत्तर पुस्तिका और पुनर्मूल्यांकन के लिए 100 रुपए प्रति प्रश्न शुल्क निर्धारित किया गया था। स्कैन कॉपी छात्र की लॉगिन आईडी पर उपलब्ध कराई जाएगी, जहां से उसे डाउनलोड किया जा सकेगा। कॉपी आवेदन क्रम के आधार पर मिलेगी, यानी जो पहले आवेदन करेगा उसे पहले कॉपी मिलेगी। छात्र एक या अधिक विषयों के लिए आवेदन कर सकता है, लेकिन आवेदन एक ही बार में करना होगा। अगर छात्र अंकों से असंतुष्ट है, तो आगे सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकता है।

तेज आंधी और तूफान ने क्षेत्र के गांवों में मचाया कोहराम, दर्जनों बिजली पोल गिरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा/कूंरा

धरसीवां विधान सभा क्षेत्र में शनिवार को कुदरत का भयंकर कहर देखने को मिला। तेज आंधी और धुल भरे तूफान ने क्षेत्र के गांवों में भारी तबाही मचाई। धरसीवां, कूंरा, परसतराई, चरौदा, मोहदी, नगरगांव, गोढ़ी, मढ़ी (बंजारी) क्षेत्र के विभिन्न गांवों में तो जमकर कहर बरपा है। गरजचमक के साथ शाम को अचानक से बदले मौसम ने लोगों को राहत देने के बजाय आफत दे गया। भीषण तूफान और बारिश से कई जगह पेड़ उखड़कर घरों और सड़कों पर गिर गए। इससे आवागमन बाधित हो गया। जगह-जगह बिजली के तार टूटकर गिर गया है। बिजली के खंभे भी बड़ी संख्या में धाराशायी हो गई है। जिससे विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। बता दें कि, तेज आंधी-तूफान ने अलग-अलग गांवों में भारी तबाही मचाई है। कहीं गरीबों के दीवार गिर गई, कहीं आशियाना ढह गई, तो कहीं टीन और छप्पर भी उड़ गई है। भीषण तूफान के बीच भारी बारिश भी हो रही थी जिससे चारों ओर कोहराम मच गया। मढ़ी के आसपास के कंपनियों में भी भारी अफरातफरी मच गई। संयंत्रों में काम कर रहे मजदूर जान बचाने इधर-उधर भागते नजर आए। असुरक्षा भरे माहौल में काम कर रहे मजदूरों के लिए कारखानों में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। आंधी-तूफान आने पर मजदूरों की जान आफत में आ जाती है। इधर, बिजली पोल ने बिजली विभाग की पोल खोल दी है। मढ़ी गांव में ही तूफान से साल भर पहले लगे बिजली के दर्जनों खंभे टूटकर टुकड़े-टुकड़े हो गए हैं। केबल तार भी टूटकर एक किलोमीटर तक जमीन में पड़ी हुई है।

कहीं आशियाना ढहा गई, तो कहीं टिन और छप्पर भी उड़े

दर्जनों से भी ज्यादा बिजली पोल टूटा

सिलयारी बिजली विभाग के अंतर्गत आने वाले मढ़ी में एक दर्जन से भी ज्यादा बिजली के पोल टूटकर चकानाचूर हो गए हैं। जो चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ महीनें पहले लगे केबल तार जगह-जगह टुटकर बिखरा हुआ है। तेज हवा और बारिश के बीच बांधा डैम के पास बड़ा पीपल का पेड़ टूटकर तारों में ही उलझ गए जिससे बिजली तार सहित खंभे भी टूट गए। वहीं क्षेत्र में आंधी-तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। रविवार सुबह लोग घरों की मरम्मत करते तो कोई बिखरे सामानों को समेटते हुए व्यस्त नजर आए। इधर, भीषण गर्मी के कारण लोग बिजली के आने का इंतजार करते रहे। वहीं पानी के लिए भी लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

स्कूल में गिरा पेड़

मढ़ी के शासकीय प्राथमिक शाला में मेनगेट पास एक बड़ा पेड़ स्कूल के दीवार पर गिर गया है। बहरहाल, इसे हटाने के लिए अभी तक किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है। क्षेत्र में रात तक तेज आंधी तूफान जारी रहा जिससे राहगीर भी परेशान रहे। आसमानी आफत से लोगों को दो-चार होना पड़ा। इस दौरान जहां सैकड़ों पेड़ धराशायी हो गए। वहीं खपरैल मकानों को भी काफी क्षति पहुंची है। घरों पर रखा हुआ सोलर प्लेट गिरकर चकनाचूर हो गया। तूफान के प्रकोप में लोगों को भारी हानि उठानी पड़ी है।

खबर संक्षेप

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

आरंग। थाना आरंग क्षेत्र में घर पर अकेली नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रार्थी ने 16 मई 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 16 मई की दोपहर करीब 12 बजे 15 वर्षीय पीड़िता घर पर अकेली थी। तभी आरोपी ललितेन्द्र लोधी उर्फ नरेन्द्र पिता विरभद्र लोधी, 25 वर्ष, निवासी लोधीपारा आरंग ने गंदी नीयत से उसे पकड़ लिया, धक्का देकर नीचे गिरा दिया और अश्लील हरकत की। पीड़िता के चिल्लाने पर आरोपी मौके से भाग गया। रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी ललितेन्द्र लोधी को 17 मई 2026 को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय में पेश कर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया है।

भरत मटियारा का निधन भाजपा के लिए एक अपूरणीय क्षति

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता भरत मटियारा के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। भरत मटियारा पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और हैदराबाद में उनका उपचार चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। श्री देव ने अपने शोक संदेश में कहा कि वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा का निधन भाजपा-परिवार और पूरे मछुआरा समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। स्व. मटियारा ने सदैव संगठन की मजबूती और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य किया। वे एक कर्मठ, मिलनसार और जमीन से जुड़े नेता थे। मछुआरा समाज के उत्थान और उनके अधिकारों की लड़ाई में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

भाजपा बोली- केंद्रीय गृहमंत्री शाह के आगमन से कांग्रेस को तकलीफ क्यों

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर प्रवास को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही बयानबाजी पर कहा, केंद्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद और आतंकवाद के खात्मे का संकल्प सिद्ध किया है। उनके बस्तर आगमन से कांग्रेस को तकलीफ होना यह साबित करता है कि कांग्रेस और नक्सलियों का भाईचारा आज भी कायम है। डॉ. मिश्रा ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से आज बस्तर नक्सल मुक्त हुआ है, जो कांग्रेसियों को रास नहीं आ रहा है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर लगाया आरोप कहा - 12 साल के शासन में महंगाई दोगुनी हो गई

पेट्रोल-डीजल की किल्लत और महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने किया उग्र प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

भाजपा सरकार के द्वारा पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाए जाने और शहर में पेट्रोल-डीजल की दिक्कत तथा महंगाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को ब्लाक कांग्रेस कमिटी के द्वरा तुलसी रोड पर स्थित पेट्रोल पम्पों के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी के विशेष उपस्थिति में आयोजित विरोध में प्रदर्शनकार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पेट्रोल-डीजल की कमी की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। आम जनता को लंबी-लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है, जिससे रोजमर्रा का काम और कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की विष्णुदेव साय सरकार इस समस्या को संभालने में नाकाम रही हैं। लोगों को आर्थिक, मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि महंगाई का बोझ लगातार आम लोगों पर बढ़ता जा रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के 12 साल के शासन में महंगाई दोगुनी हो गई है। उनके मुताबिक ईंधन, सब्जियां, दूध, एलपीजी और सीएनजी जैसी जरूरी चीजों की कीमतें लगातार बढ़ी हैं, लेकिन लोगों को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी पर टिप्पणी करते कहा पेट्रोल और डीजल के दाम तीन रुपये प्रति लीटर बढ़ाने के बाद किया गया।उसके बाद भी पेट्रोल-डीजल की कमी की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। आम जनता को लंबी-लंबी

कतारों में लगना पड़ रहा है, जिससे रोजमर्रा का काम और कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

सरकार की कुनीतियों की मार झेल रही जनता : शहर अध्यक्ष अजितेश शर्मा ने कहा सरकार को पहले से पेट्रोल डीजल के किल्लत की जानकारी थी बावजूद तैयारी नही की गई । इसी वजह से जनता परेशान है सरकार की कुनीतियों की मार आम जनता को भुगतनी पड़ रही है. पहले रसोई गैस के दाम बढ़ाए गए, और फिर डीजल पेट्रोल के दामों में इजाफा कर दिया गया है. ऊपर से महंगाई की मार से जनता पहले से ही त्रस्त है और कांग्रेस इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी।कांग्रेस पार्षद किरण बाला छाबडिया ने कहा आज महंगाई चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। गैस के बढ़ाये गये दामों से आम जनता पहले से ही परेशान थी, उसके बाद पेट्रोल डीजल के दामों में वृद्धि करके सरकार ने आम जनमानस की कमर तोड़ दी है. बावजूद बेफिक्र प्रधानमंत्री अपने विदेश दौरे पर व्यस्त हैं जबकि पुरे देश में पेट्रोल-डीजल की कमी की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। आम जनता को लंबी-लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है।

आम जनता से संवाद कर भाजपा का चरित्र उजागर करेगी कांग्रेस: जन विरोधी नीतियों को लेकर विरोध प्रदर्शन तिल्दा में किया गया आम जनता से संवाद कर भाजपा के दोहरे चरित्र को उजागर किया जा रहा है आज सारा देश महंगाई की मार एवं समस्याओं से त्रस्त हो चुका है इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष बलदाऊ साहू, जिला कोशाध्य्श मोती हिंदूजा, के कृष्णा मूर्ति, देवेंद्र वर्मा, लक्ष्मी नारायण वर्मा, ओम ठाकुर, सुनील सोनी, राम गिडलानी गोवर्धन यदु , राजेश कोटवानी, देवा टंडन, सोनू मारखंडे ,कैलाश गांधी, नीरज राठी ,रतन चंद निषाद, सूरज अहिरवार, नानक छाबरिया, दिलीप देवांगन, गजानंद वर्मा, जितेंद्र सेन, पूना राम वर्मा, डिगेश्वर वर्मा, गुलाब यदु, सालिक राम मंडावी,माखन साहू , आदि कांग्रेस साथी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने 11 ब्लॉकों में पेट्रोल पंपों के सामने प्रदर्शन कर आम जनता से किया संवाद

सिलयारी। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण द्वारा जिले के 11 ब्लॉकों में व्यापक प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल पंपों के सामने धरना-प्रदर्शन कर आम जनता से संवाद स्थापित किया तथा केंद्र की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने बताया कि जिले के विभिन्न ब्लॉकों में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नेतृत्व में प्रदर्शन आयोजित किए गए।

धरसीवा में आशीष वर्मा, खरोरा में अश्वनी वर्मा, तिल्दा में अजितेश शर्मा एवं बलदाऊ साहू, बिरगांव में योगेंद्र सोलंकी, चंदखुरी ब्लॉक में ओमप्रकाश यादव, आरंग में खिलावन निषाद एवं कोमल साहू, अभनपुर में विद्याभूषण सोनवानी एवं गिरधारी साहू तथा नयापारा शहर में रामा यादव के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने प्रदर्शन कर जनता को महंगाई के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र बंजारे ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आज पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे आम आदमी, किसान, मजदूर, व्यापारी और मध्यमवर्गीय परिवार बुरी तरह प्रभावित हैं। महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है, लेकिन केंद्र सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है।

महंगाई के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस ने निकाला पैदल मार्च

मंदिर हसौद। मंदिर हसौद, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चंदखुरी के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेसियों ने बढ़े हुए डीजल- पेट्रोल एवं रसोई गैस के दाम को लेकर कड़ा विरोध प्रदर्शन किए। कार्यकर्ताओं के साथ सभी पदाधिकारी मंदिर हसौद मुख्य चौक से लेकर चावला पेट्रोल पंप तक पैदल मार्च करते हुए हाथों में कांग्रेस के बैनर एवं झंडे तथा श्लोक लिखी हुई तकिया लेकर भाजपा के केंद्र और राज्य सरकार के नेतृत्व वाली सरकार के चलते महंगाई आसमान छू रहे है जिसके चलते देश की जनता त्रस्त और परेशान हो रहे हैं डीजल पेट्रोल गैस के लिए लोगों को लाइन में खड़ कर दिये, जिसको लेकर ब्लॉक कांग्रेस चंदखुरी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जहां कांग्रेसियों द्वारा स्लोगन उपयोग कर लिखा गया है कि, /"भाजपा सरकार होश में आओ/" "बहुत ही महंगाई कि मार बस करो मोदी सरकार जो सरकार निकम्मी है वो सरकार बदलनी है/" /"तख्त बदल दो ताज बदल दो बेईमानों का राज बदल दो विष्णु सरकार होश में आओ इत्यादि तीखे स्लोगन के साथ भरी संख्या में कांग्रेसियों कि उपस्थिति में महंगाई का विरोध किया गया। इस दौरान कांग्रेसियों द्वारा चावला पेट्रोल पंप में तेल डलवाने आए हुए आगंतुकों से भी संवाद किए जहा आम लोगों द्वारा भी बड़े हुए महंगाई के विरोध में वर्तमान भाजपा सरकार को कोसने में कमी नहीं किए, लोगो का स्पष्ट कहना है था कि वर्तमान सरकार लगातार लोगों के साथ धोखा करके बहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार बढ़ा रही है।

भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेलः बंजारे

इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रायपुर ग्रामीण श्री पप्पू राजेंद्र बंजारे ने अपने वक्तव्य में वर्तमान भाजपा सरकार को फेल बताया और आने वाले समय में कांग्रेस का हाथ मजबूत करने कि अपील कि, इसी संदर्भ में चंदखुरी ब्लॉक अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश यादव ने भी बढ़ते महंगाई, रोजमर्रा कि वस्तुएं एवं पेट्रोल डीजल के दामों में बढ़े महंगाई को लेकर क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री तथा वर्तमान भाजपा सरकार पर दोषारोपण किया। इस दौरान भारी संख्या में कांग्रेसियों कि उपस्थिति रही मुख्य रूप से जिला रायपुर ग्रामीण अध्यक्ष पप्पू राजेंद्र बंजारे, ब्लॉक अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश यादव, जिला ग्रामीण सचिव प्रवीण सिंह, पालिका अध्यक्ष गोपाल चतुर्वेदी, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम धीवर, हरि बंजारे,अनिल टंडन, पार्षदगण अधिवक्ता अनुज मिश्रा,राकेश मिश्रा, राकेश जायसवाल, उत्तम साहू, निर्देश सिन्हा,भूषण बघेल, प्रताप ठाकुर, मंडल प्रभारी उपेंद्र भारती,दिलीप साहू,दौलत टंडन, श्रीमती अंजू बघेल, थानसिंग सेन, प्रेमशंकर यदु, मोनटो यादव, लल्ला बघेल,गुलाबचंद पाण्डेय, आर्यन जोशी, मनीष यादव, नंदू साहू, छन्नू यादव, पप्पू पालन, नेहरू डाडे, सनत पटेल, पिंकेश साहू, राजबीर धीवर, प्रेमनारायण मिश्रा, संजय सिंह, आरपी सिन्हा, राजेश चतुर एवं भारी संख्या में आम जन उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंप में कर्मचारियों से मारपीट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

अभनपुर। चंडी मोड़ स्थित भारत पेट्रोल पंप में कर्मचारियों के साथ मारपीट और धमकी देने के मामले में अभनपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपी पुरुषोत्तम ध्रुव पिता विदेशी राम ध्रुव उम्र 19 वर्ष, भोज सेन पिता पंचूराम सेन उम्र 31 वर्ष तथा ठाकुर राम साहू पिता इतवारी राम साहू उम्र 32 वर्ष, सभी निवासी गोडपारा अभनपुर, के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170, 126 एवं 135(3) के तहत कार्रवाई की गई है। गौरतलब है कि 16 मई की रात चंडी मोड़ स्थित भारत पेट्रोल पंप में ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों के साथ आरोपियों द्वारा गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया था। घटना में पेट्रोल पंप कर्मचारी घायल हुए थे, जिसके बाद पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालयीन प्रक्रिया के लिए पेश किया गया।

चाकू की नोक पर युवक से लूट, तीन आरोपी गिरफ्तार

आरंग । थाना आरंग क्षेत्र में लूट की नीयत से बाइक सवार युवक पर चाकू से हमला कर मोबाइल-पैसा छीनने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रार्थी देवनारायण डहरिया ने 15 मई 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका छोटा भाई चंद्रप्रकाश डहरिया अपने 5 वर्षीय बेटे के साथ बाइक से सुबह ससुराल ग्राम तूता अभनपुर गया था। दोपहर करीब 3 बजे सोनपैरी भांठा के नहर पार मोखला मार्ग पर तीन अज्ञात लड़कों ने रास्ता रोककर चाकू की नोक पर मोबाइल व नकदी लूटकर फरार हो गए।

रिपोर्ट पर तत्काल टीम गठित कर पुलिस ने आरोपी मुकेश नागरची उर्फ कुमकुम, 20 वर्ष, निवासी शीतलापारा नयापारा कुलेश्वर ध्रुव पिता संतोष ध्रुव, 22 वर्ष, निवासी भाठापारा पारागांव थाना गोबरा नवापारा तथा एक नाबालिग जो थाना गोबरा नवापारा क्षेत्र में नशा करते मिला जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपराध घटित करना स्वीकार किया एवं घटना में प्रयुक्त चाकू मोटरसाइकिल लूट की रकम मोबाइल को जप्त किया गया। तीनों आरोपियों को 17 मई 2026 को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

ज्ञान भारत मिशन के तहत मिली 136 वर्ष पुरानी धार्मिक पांडुलिपियां

तरपोंगी। ज्ञान भारत मिशन के अंतर्गत जिले में प्राचीन एवं दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण और दस्तावेजीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत विभिन्न ऐतिहासिक धरोहरों का संग्रहण कर उन्हें ज्ञान भारतम पोर्टल में अपलोड किया जा रहा है।

इसी क्रम में जनपद पंचायत तिल्दा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रवि कुमार ने विकासखंड तिल्दा के ग्राम निनवा पहुंचकर प्रसिद्ध भागवताचार्य पं. नंदकुमार शर्मा के निवास पर सनातन धर्म से जुड़ी दुर्लभ एवं ऐतिहासिक धार्मिक धरोहरों का अवलोकन किया।

इस दौरान आचार्य शर्मा के पास लगभग 136 वर्ष पुरानी श्रीमद्भागवत महापुराण सहित कई महत्वपूर्ण

हस्तलिखित धार्मिक पांडुलिपियां प्राप्त हुईं। बताया गया कि इन प्राचीन धरोहरों को उनके पूर्वजों द्वारा सुरक्षित रखा गया था, जिन्हें पं. नंदकुमार शर्मा ने वर्षों से अत्यंत श्रद्धा, सावधानी और समर्पण के साथ संरक्षित कर रखा है।

पांडुलिपियों में लगभग 100 वर्ष पुरानी हस्तलिखित भजन एवं फाग गीतों का संग्रह भी शामिल है, जिन्हें तत्कालीन धार्मिक, सांस्कृतिक और लोक परंपराओं की अमूल्य धरोहर माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार पं. नंदकुमार शर्मा छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में भागवत कथा, राम कथा और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आज ग्राम निनवा की पहचान भी आचार्य नंदकुमार शर्मा के नाम से होती है।

ज्ञान भारत मिशन के तहत इस प्रकार की दुर्लभ पांडुलिपियों का संरक्षण भारतीय संस्कृति और धार्मिक विरासत को सहेजने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

परमिशनलेस लीडरशिप और एचआर एनालिटिक्स पर गहन मंथन

ग्लोबल एचआरडी नेटवर्क की कार्यशाला में गूंजा भविष्य का मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

बदलते दौर में कॉर्पोरेट और शैक्षणिक जगत को भविष्य की आधुनिक तकनीकों के साथ कदमताल मिलाने के उद्देश्य से ग्लोबल एचआरडी नेटवर्क के रायपुर चैप्टर द्वारा एक विशेष कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। रिवर डेल वर्ल्ड स्कूल के परिसर में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य विषय 'फ्यूचर स्किल एवं ग्रोथ' रहा, जिसमें उद्योग जगत और शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कई नामचीन हस्तियों ने शिरकत की। इस गरिमामयी कार्यक्रम का मूल उद्देश्य मानव संसाधन (एचआर) प्रबंधकों को आने वाले समय की तकनीकों से रूबरू कराना और उनके कौशल को एक नया आयाम देना था, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस पूरे गरिमामयी आयोजन को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने में आकांक्षा प्रीत ने मुख्य और सराहनीय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का कुशल और प्रभावी मंच संचालन डॉ. सीमा मैथ्यूज द्वारा किया गया। वहीं, रायपुर के कॉर्पोरेट जगत के लिए बेहद उपयोगी साबित हुई इस कार्यशाला का सफल संपादन और संयोजन ग्लोबल एचआरडी नेटवर्क के अध्यक्ष सुरेंद्र लांजेवार ने किया। अंत में सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। विषय विशेषज्ञों का मानना है कि यह कार्यशाला रायपुर के एचआर पेशेवरों को भविष्य की राह दिखाने और उनके कौशल विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

को पूरी तरह तैयार कर सकें। कार्यशाला के मुख्य सत्र में प्रख्यात कॉर्पोरेट प्रशिक्षक श्री प्रिंस ग्रोवर ने 'परमिशनलेस लीडरशिप' यानी बिना किसी बंदिश या पारंपरिक दायरों के नेतृत्व क्षमता विकसित करने के अनूठे गुर सिखाए। उन्होंने आधुनिक कार्यसंस्कृति में एचआर की लगातार बदलती भूमिका और इसकी बारीकियों पर गहराई से प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे एक लीडर स्वायत्तता के साथ संगठन को आगे ले जा सकता है। इसी वैचारिक क्रम को आगे बढ़ाते हुए आईआईएम रायपुर की सहायक प्राध्यापक डॉ. रितु गुप्ता ने 'एचआर एनालिटिक्स' और 'फ्यूचर ग्रोथ' जैसे गंभीर व सामयिक विषयों पर अपने व्यापक व्यावहारिक अनुभव साझा किए। उन्होंने विभिन्न जीवंत केस स्टडीज के माध्यम से एचआर प्रतिनिधियों को डेटा के सटीक इस्तेमाल और उसकी मदद से सही व त्वरित निर्णय लेने की समझ विकसित करने का व्यावहारिक पाठ पढ़ाया, जिसे उपस्थित जनों ने बेहद उपयोगी और मार्गदर्शक बताया।

नए लेबर लॉ की जटिलताओं पर विमर्श

तकनीकी सत्रों के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र में आ रहे कानूनी बदलावों पर भी कार्यशाला में गंभीर विमर्श हुआ। सारडा एनर्जी के एचआर प्रमुख ने देश में लागू हो रहे नए लेबर लॉ (श्रम कानूनों) के अनुपालन और भविष्य में एचआर के सामने आने वाली व्यावहारिक व कानूनी जटिलताओं के बारे में विस्तार से समझाया। मेजबान संस्थान रिवरडेल वर्ल्ड स्कूल के प्रबंध निदेशक (एमडी) गोविंद मुदलियार ने इस ज्ञानवर्धक आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना की और कार्यशाला में हिस्सा ले रहे सभी एचआर प्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान आकांक्षा गोयल ने स्कूल के कुशल प्रबंधन और उसकी आधुनिक कार्यप्रणाली से सभी आगंतुकों को अवगत कराया।

नैमिषारण्य धाम में श्रीमद्भागवत कथा

आरंग। परम पावन पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर उत्तरप्रदेश के पावन तीर्थ नैमिषारण्य धाम स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर में श्री परशुराम पुरोहित वैदिक संस्थान, आरंग के अध्यक्ष पं. ध्रुव नारायण शुक्ला जी के तत्वावधान में 116वीं श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य एवं भव्य आयोजन संपन्न हो रहा है। इस पुण्य अवसर पर मोरध्वज नगरी आरंग, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) से पधारे प्रख्यात कथा प्रवक्ता पं. ध्रुव नारायण शुक्ला जी द्वारा संगीतमय एवं भावपूर्ण श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है। यह वही पुण्यभूमि है, जहां ऋषि-मुनियों द्वारा धर्म, ज्ञान एवं भगवान की दिव्य कथाओं का अमृत प्रवाहित हुआ है। श्री राम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित इस कथा में प्रतिदिन अपार श्रद्धालुओं की

उपस्थिति के साथ भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ के रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, भिलाई सहित विभिन्न जिलों एवं अनेक प्रांतों से श्रद्धालु भक्तगण कथा श्रवण एवं धर्म लाभ हेतु पहुँच रहे हैं। कथा के साथ-साथ विद्वान ब्राह्मणों द्वारा पारायण, वैदिक अनुष्ठान, यज्ञीय क्रियाएं, विष्णु सहस्त्रनाम पाठ, दैनिक हरिहर पूजन एवं सुदर्शनाभिषेक जैसे धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न किए जा रहे हैं, जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से आलोकित हो उठा है। संस्थान के संस्थापक पं. अविनाश शर्मा जी ने बताया कि आचार्य पं. श्री ध्रुव नारायण शुक्ला के मार्गदर्शन में संस्थान के सदस्य एवं श्रद्धालु नैमिषारण्य धाम पहुंचकर इस दिव्य आयोजन में सहभागिता कर रहे हैं।

नगरीय निकायों की 192 डम्प साइट्स पर पौने चार लाख टन कचरे का पहाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के 192 डंप साइट पर करीब पौने चार लाख टन कचरा एकत्र है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने खुद यह जानकारी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी को भेजी गई एक रिपोर्ट में दी है। अब एक अभियान चलाकर कचरे के इस पहाड़ को खत्म किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के कई शहरों में वर्षों से जमा 'पुराने कचरे' के निपटान के लिए एक बड़ा अभियान छेड़ने का निर्णय लिया है। प्रशासन ने सभी नगरीय निकायों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे तय समयसीमा के भीतर कचरे की इन डम्प साइट्स को पूरी तरह साफ करें और दैनिक कचरे का शत-प्रतिशत प्रसंस्करण सुनिश्चित करें।

हरिभूमि सरोकार

क्या है पूरा मामला?

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी ताजा आदेश के अनुसार, राज्य के 189 नगरीय निकायों में वर्तमान में 192 ऐसे स्थान हैं, जहां भारी मात्रा में पुराना कचरा जमा है। विभाग की सचिव ने पत्र में स्पष्ट किया गया है कि 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026' पूरे राज्य में 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी हो चुका है, जिसके तहत कचरे का निपटान अब कानूनी रूप से अनिवार्य है।

राज्य सरकार ने एनजीटी को भेजी रिपोर्ट में दी ये जानकारी, अब करेंगे साफ

आंकड़ों में कचरे की चुनौती

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के समक्ष पेश की गई रिपोर्ट के हवाले से सरकार ने चौंकाने वाले आंकड़े साझा किए हैं। डम्प साइट्स की संख्या- राज्य भर में कुल 192 स्थानों पर लिगेसी कचरा जमा है। इन स्थलों पर लगभग 3.86 लाख मीट्रिक टन कचरा मौजूद है। राज्य के 189 नगरीय निकायों को इस अभियान में शामिल किया गया है ।

सख्त हिदायत, दैनिक कचरे का भी हो निपटान

सरकार ने केवल पुराने कचरे को साफ करने तक ही सीमित रहने को नहीं कहा है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए भी निकायों को चेतावनी दी है। निकायों को निर्देशित किया गया है कि वे शहर में हर दिन पैदा होने वाले ठोस कचरे का शत-प्रतिशत प्रसंस्करण करना सुनिश्चित करें। इसका उद्देश्य यह है कि भविष्य में किसी भी नए स्थान पर 'लिगेसी वेस्ट' या कचरे के पहाड़ न बन सकें।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण की निगरानी

यह कार्रवाई राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष चल रहे एक प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में की जा रही है। राज्य सरकार ने मार्च 2026 को अपनी छठवीं छमाही रिपोर्ट में कचरा निपटान के लिए एक समयसीमा प्रस्तावित की है, जिसका पालन करना अब सभी स्थानीय निकायों के लिए अनिवार्य होगा। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा और इसकी नियमित निगरानी विभागीय स्तर पर की जाएगी।

खबर संक्षेप

फार्मेसी काउंसिल के पुनः रजिस्ट्रार बने गुर्देकर हाईकोर्ट से मिली राहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल में अश्वनी गुर्देकर को पुनः रजिस्ट्रार बनाया गया है। उनकी नियुक्ति को चुनौती देते हुए लगाई गई याचिका पर हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने उन्हें पद से हटा दिया था।

चीफ जस्टिस की डबल बेंच ने आदेश को रद्द करने के दौरान यह भी निर्देशित किया कि काउंसिल में रजिस्ट्रार के पद पर नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया नियमानुसार प्रारंभ करें। छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रार के पद पर किसी चिकित्सक की नियुक्ति देने की मांग के साथ फार्मासिस्ट अश्वनी गुर्देकर को प्रभार दिए जाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। करीब दो महीने पहले मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने इस नियुक्ति को गलत ठहराते हुए श्री गुर्देकर को हटाने का आदेश जारी किया था। इस आदेश के खिलाफ उन्होंने डबल बेंच में अपील की, जिसकी सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने पुराने आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही यह निर्देश दिया कि इस पद नियमित नियुक्ति नियमानुसार करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए और तब तक अश्वनी गुर्देकर इस कार्य का निर्वहन करते रहेंगे। पूर्व में अश्वनी गुर्देकर आंबेडकर अस्पताल में फार्मासिस्ट के रूप में कार्यरत थे और उन्हें फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार का प्रभार सौंपा गया था।

भरत मटियारा का निधन भाजपा के लिए एक अपूरणीय क्षति

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता भरत मटियारा के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। भरत मटियारा पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और हैदराबाद में उनका उपचार चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। श्री देव ने अपने शोक संदेश में कहा कि वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा का निधन भाजपा-परिवार और पूरे मछुआरा समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। स्व. मटियारा ने सदैव संगठन की मजबूती और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य किया। वे एक कर्मठ, मिलनसार और जमीन से जुड़े नेता थे। मछुआरा समाज के उत्थान और उनके अधिकारों की लड़ाई में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

आकाशवाणी से विजय की वार्ता का प्रसारण कल

रायपुर। आकाशवाणी रायपुर की साहित्यिक पत्रिका मोर भुइयां के अंतर्गत विजय मिश्रा 'अमित' की वार्ता 'छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास

में डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा का योगदान' का प्रसारण 19 मई को किया जाएगा। श्री मिश्रा के साथ ही मानसिंह मौलिक की कहानी एवं तोषण चुरेंद्र की कविता का भी प्रसारण होगा। भुइयां पत्रिका के संपादक आकाशवाणी के कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र कुमार साहू हैं। मोर भुइयां कार्यक्रम के अंतर्गत 19 मई सुबह 8.30 बजे वार्ता प्रसारण आकाशवाणी रायपुर से होगा। विदित हो कि डॉ. पालेश्वर शर्मा छत्तीसगढ़ के ऐसे साहित्यकार रहे, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के इतिहास और जनजीवन पर अनेक किताबें लिखी हैं।

30 घंटे तक चली मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बने देवांगन, राकेश सचिव, परिसर में जश्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए शुक्रवार को रायपुर कोर्ट परिसर में मतदान संपन्न होने के बाद रविवार को चुनाव परिणाम घोषित कर दिया गया है। मतगणना का काम शनिवार सुबह 10 बजे से शुरू की गई थी। रातभर गणना के बाद रविवार दोपहर 2.30 बजे के बीच परिणाम जारी किया गया। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में दिनेश देवांगन अध्यक्ष तथा राकेश पुरी सचिव के पद पर विजयी रहे।

जिला अधिवक्ता संघ में अध्यक्ष के दो अन्य प्रत्याशियों को कुल वोटिंग के 50 फीसदी मत नहीं मिले। विजयी प्रत्याशियों को मुख्य चुनाव अधिकारी रामनारायण व्यास द्वारा प्रमाणपत्र जारी किया गया। मतगणना शनिवार सुबह 10 बजे स्ट्रांग रूम की सील खोलने के साथ शुरू हुई। निर्वाचन टीम और प्रत्याशियों की मौजूदगी में मतपेटियां खोली गईं। कुल 2337 मतपत्र प्राप्त हुए। मतगणना के दौरान प्रत्येक वोट को स्क्रीनिंग और प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाने के साथ गणना की गई। इस कारण मतगणना की रफ्तार धीमी रही। चुनाव का पहला परिणाम रात शनिवार रात सवा 11 बजे आया, जहां 5 कार्यकारिणी सदस्यों के नाम घोषित किए गए। शेष 11 प्रत्याशियों का परिणाम दूसरे दिन जारी किया गया।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में इनकी जीत

कार्यकारिणी सदस्य के पद पर योगीराज वर्मा को 851 वोट, अविजित त्रिपाठी को 781 वोट, विवेक मिश्रा को 675 वोट, आकाश जसूजा को 672 वोट और आकाश सोनी को 622 वोट प्राप्त हुए। इसी तरह सहसचिव गुणेश निर्मलकर तथा नेहा राठौर सहसचिव (महिला) निर्वाचित हुई हैं। ग्रंथालय सचिव पद पर महेंद्र देवांगन और सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव पद पर योगेश साहू ने जीत दर्ज की है। महिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में योगिता धुरंधर और अमृता दीक्षित निर्वाचित हुई हैं।

पूरी रात कोर्ट परिसर में मेले का माहौल

चुनाव परिणाम जानने कोर्ट परिसर में वकीलों का पूरी रात तांता लगा रहा। चुनाव लड़ रहे अभ्यर्थी तथा उनके समर्थकों के एकत्र होने की वजह से मेले जैसा माहौल रहा। देर शाम तेज आंधी-तूफान और बारिश के कारण बिजली गुल होने के कारण मतगणना कुछ देर के लिए प्रभावित हुई थी। मतगणना प्रभावित न हो, इसके लिए जनरेटर के साथ निर्वाचन टीम ने इमरजेंसी लाइट की व्यवस्था कर मतगणना दोबारा शुरू की।

चुनाव में उतरे थे 65 प्रत्याशी

रायपुर जिला अधिवक्ता संघ के 16 अलग-अलग पदों के लिए चुनाव कराया गया। मतदान 15 मई को हुआ, जबकि 16 तथा 17 मई को परिणाम घोषित किए गए। इस बार चुनावी मैदान में कुल 65 प्रत्याशी भाग्य आजमाने उतरे थे।

अध्यक्ष ने हासिल की एकतरफा जीत

अधिवक्ता संघ के चुनाव में दिनेश देवांगन ने एकतरफा जीत हासिल की। उन्हें कुल 1463 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कमलेश पांडेय 732 और श्याम ओझा सिर्फ 32 वोट ही हासिल कर पाए। इसी तरह महिला उपाध्यक्ष भारती राठौर 892 वोट पाकर विजयी घोषित की गईं, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंदी सुचित्रा बर्धन को 499, निशा पांडे को 469 और प्रियंका डोंगरे को 438 वोट मिले। कनिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर सूर्यकांत पाटस्कर को 754 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी मधुराम साहू को 277 वोट मिले। कोषाध्यक्ष पद पर रानी लक्ष्मी साहू ने 919 वोट के साथ अपनी धमाकेदार जीत दर्ज कराई। उनकी निकटतम प्रतिद्वंदी गीता चौहान को 560 और निवेदिता मिश्रा को 796 मत मिले।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा- वकीलों की सुरक्षा भगवान भरोसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने रायगढ़ जिला बार एसोसिएशन द्वारा वकीलों की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे आंदोलन और उनकी सभी न्यायसंगत मांगों का पूर्ण समर्थन किया है। उन्होंने प्रदेश की चरमराती कानून-व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा, यह बेहद शर्मनाक और विचलित करने वाली विडंबना है कि जब समाज को न्याय दिलाने और कानून की लड़ाई लड़ने वाले वकील ही इस राज्य में सुरक्षित नहीं हैं तो प्रदेश की आम जनता अपनी सुरक्षा की उम्मीद आखिर किससे करे? जिस संभाग और जिले से स्वयं प्रदेश के मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री और सरकार के कई मंत्री आते हैं, वहां एक होनहार आदिवासी महिला अधिवक्ता की ऐसी नृशंस हत्या हो जाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल करते हुए पूछा है कि राज्य सरकार आखिर एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट को प्रदेश में लागू करने से क्यों भाग रही है? वकीलों पर लगातार बढ़ते हमले और प्रताड़ना इस बात का सबूत हैं कि बिना इस कड़े कानून के न्यायविद भयमुक्त होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर सकते।

कार्यशाला के जरिए मनाया डेंगू दिवस

रायपुर। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर शनिवार को कार्यशाला का आयोजन सीएमएचओ कार्यालय के मीटिंग हॉल में किया गया। इस दौरान एनवीबीडीसीपी डॉ. विमल किशोर राय एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम मनीष कुमार मेजरवार मौजूद रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने डेंगू प्रिवेंशन और नियंत्रण एवं सोर्स रिडक्शन का कार्य करने पर जोर दिया। इस दौरान लोगों में जागरूकता बढ़ाने राजधानी में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। साथ ही अन्य वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण के साथ जिले को डेंगू नियंत्रण का काम करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला मलेरिया कार्यालय के स्टाफ और एनजीओ मौजूद रहे।

आईआईटी रुड़की ने ली परीक्षा, ज्यादा जेब वाले कपड़ों पर भी पाबंदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- पहले ही जारी कर दिए गए थे दिशा-निर्देश, समय सीमा को लेकर भी सख्ती
- कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में हुई परीक्षा, नीट भी अगले सत्र से इसी पैटर्न में

आईआईटी रुड़की ने रविवार को दो शिफ्ट में जेईई एडवांस्ड 2026 परीक्षा का आयोजन किया। परीक्षा भारत के 221 शहरों और दो अंतरराष्ट्रीय केंद्रों पर आयोजित की गई। कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में परीक्षा सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक हुई।

गौरतलब है, नीट पर्चा लीक कांड के बाद मेडिकल प्रवेश परीक्षा भी कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में आयोजित किए जाने की तैयारी है। जबकि जेईई की परीक्षा पहले से ही कंप्यूटर बेस्ड मोड में आयोजित की जाती रही हैं। कंप्यूटर आधारित परीक्षा होने के कारण इसके लिए केंद्र उन्हीं संस्थानों में बनाए गए थे, जहां पर्याप्त संसाधन हो। जेईई मेन्स क्वालिफाई करने वाले विद्यार्थी ही इसमें शामिल हुए।

कई स्तर पर जांच

नीट पेपर लीक कांड के बाद अन्य परीक्षाओं में भी विशेष सावधानी बरती जा रही है। यह सख्ती जेईई एडवांस में भी देखने को मिली। आईआईटी रुड़की ने ड्रेस कोड को लेकर पहले ही सख्त दिशा-निर्देश दिए थे। हल्के और साधारण कपड़े पहनने संबंधित निर्देशों के साथ कम जेब वाले कपड़े पहनने भी कहा गया था। छात्र चप्पल या सैंडल जैसे खुले जूते पहनकर ही केंद्र पहुंचे।

फिजिक्स तय करेगा रैंक

विद्यार्थियों से मिले फीडबैक के अनुसार पेपर मध्यम से कठिन स्तरीय रहा। एलन कॅरियर इंस्टिट्यूट के कुणाल सिंह के अनुसार, पेपर-1 में 16 प्रश्न प्रत्येक विषय में पूछे गए थे। इसमें चार मल्टीपल च्वॉइस प्रश्न, चार सिंगल करेक्ट, चार न्यूमेरिकल प्रश्न एवं चार प्रश्न मैचिंग लिस्ट के थे। पेपर-2 में 18 प्रश्न प्रत्येक विषय में पूछे गए थे। इसमें चार सिंगल , पांच मल्टीपल, पांच न्यूमेरिकल एवं दो पैराग्राफ थे। इस बार फिजिक्स के पेपर का लेवल देखकर उसे रैंक निर्धारण का आधार बताया जा रहा हैं। फिजिक्स का पेपर पिछले सालों की तुलना में कठिन रहा। नए तरीके से प्रश्नों को पूछा गया था। सिलेबस में जो नए टॉपिक्स जोड़े गए थे, उनसे कोई प्रश्न नहीं पूछा गया। जिन छात्रों ने फिजिक्स के कठिन सवाल भी सरलतापूर्वक कर लिए, उन्हें अच्छे रैंक लाने अधिक समस्या नहीं होगी।

बैज ने पूछा- बस्तर के विकास के लिए विशेष पैकेज कब देंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बताएं, बस्तर के लिए कुछ विशेष पैकेज लेकर आए हैं या नहीं। डबल इंजन की सरकार में बस्तर के विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए केंद्र सरकार 50 हजार करोड़ का विशेष पैकेज की घोषणा कब करेगी? बस्तर संभाग की हर नक्सल मुक्त पंचायत को 1 करोड़ देने की घोषणा कब करेंगे?

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश से आव्हान कर रहे हैं कि वर्क फ्रॉम होम करें, पेट्रोल-डीजल बचाएं और उनके ही गृह मंत्री, मुख्यमंत्री उनकी बात का मखौल उड़ा रहे। मध्य क्षेत्र परिषद की बैठक वर्चुअल क्यों नहीं की, जबकि सभी मुख्यमंत्री, सचिवालय तथा गृह मंत्रालय के पास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा, मध्यक्षेत्र परिषद की बैठक बस्तर में बुलाना भारतीय जनता पार्टी का पॉलिटिकल प्रोपोगंडा है।

मोदी की अपील के बाद बढ़ गए दाम : *उन्होंने कहा, देश के आधे पेट्रोल पंप सूखे पड़े हैं। बस्तर में भी पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत है। मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दामों में 3 रुपए से अधिक की बढ़ोतरी कर दी है। मोदी के आव्हान के बाद खाद्य सामग्री के, सब्जियों के दाम बढ़ गए। मोदीजी यदि अपील नहीं करते तो यह अफरातफरी नहीं होती। अमित शाह बताएं, मोदी निर्मित इस आपदा पर आप क्या कहना चाहेंगे?*

बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन तेज, 11 ब्लॉकों में पेट्रोल पंपों के सामने प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- आम जनता से संवाद कर केंद्र के खिलाफ खोला मोर्चा

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस के लगातार बढ़ते दाम के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण द्वारा जिले के 11 ब्लॉकों में प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल पंपों के सामने धरना-प्रदर्शन कर आम जनता से संवाद स्थापित किया तथा केंद्र की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने बताया कि जिले के विभिन्न ब्लॉकों में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नेतृत्व में प्रदर्शन आयोजित किए गए। धरसींवा में आशीष वर्मा, खरोरा में अश्वनी वर्मा, तिल्दा में अजितेश शर्मा एवं बलदाऊ साहू, बिरगांव में योगेंद्र सोलंकी, चंदखुरी ब्लॉक में ओमप्रकाश यादव, आरंग में खिलावन निषाद एवं कोमल साहू, अभनपुर में विद्याभूषण सोनवानी एवं गिरधारी साहू तथा नयापारा

शहर में रामा यादव के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने प्रदर्शन कर जनता को महंगाई के दुष्प्रभावों से अवगत कराया।

संवेदनहीन हुई केंद्र सरकार

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण वर्तमान में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे आम आदमी, किसान, मजदूर, व्यापारी और मध्यमवर्गीय परिवार बुरी तरह प्रभावित हैं। महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है, लेकिन केंद्र सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनी हुई है।

बंद मकानों की मॉनिटरिंग 30 मई तक करनी होगी

मकानों की गणना में बंद दरवाजे बन रहे सिरदर्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में जनगणना को लेकर राज्य के सभी जिलों और नगर निगमों में मकान सूचीकरण ब्लॉकों के गठन और सत्यापन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में अब तक कुल 60.73 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रदेश के कुल 48,742 ब्लॉकों में से 29,602 ब्लॉकों का कार्य पूर्ण हो चुका है। जनगणना को लेकर प्रगणक लगातार आंकड़े एकत्रित कर रहे हैं। जनगणना के दौरान मिल रहे बंद मकान उनके लिए सिरदर्द हो गए हैं। ऐसे मकानों की 30 मई तक निगरानी करने के बाद ही एंट्री होगी।

जानकारी मिली है कि शहरों में बनाए गए ब्लॉकों में काम बहुत पिछड़ा नजर आ रहा है। जहां ग्रामीण और दूरस्थ जिलों ने बाजी मारी है, वहीं यहां पर मकानों का सूचीकरण बहुत ही कम है। राज्य के बड़े शहरों और नगर निगम क्षेत्रों में काम की रफ्तार चिंताजनक रूप से धीमी दर्ज की गई है। रायगढ़ नगर निगम सूची में सबसे निचले पायदान पर है, जहां 4.65 प्रतिशत काम ही पूरा हो सका है। भिलाई नगर में केवल 7.84 प्रतिशत और रिसाली में 8.33 प्रतिशत कार्य ही संपन्न हुआ है। राजधानी रायपुर की बात करें तो यहां कुल 1,964 ब्लॉकों में से केवल 203 ही पूरे हो पाए हैं, जो कि कुल लक्ष्य का मात्र 10.34 प्रतिशत है। शहर के कई वार्डों में प्रगणक अब तक नहीं पहुंच पाए हैं। ऐसे में शेष बचा कार्य 13 दिन में कैसे पूरा होगा, यह अहम सवाल है। इन शहरों में मॉनिटरिंग बढ़ाने जिला स्तर के अधिकारियों से कहा गया है।

रायपुर में 10 प्रतिशत, रायगढ़ में 4.65 प्रतिशत काम पूरा, 13 दिन में कैसे पूरा होगा टार्गेट

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सबसे आगे

जनगणना कार्य में राज्य स्तर पर जिलों के प्रदर्शन को देखा जाए तो आदिवासी बहुल गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला सूची में शीर्ष पर है, जिसने अपने सभी 528 मकान सूचीकरण ब्लॉकों का कार्य पूरा कर लिया है। इसके बाद जशपुर (99.87 प्रतिशत) और मोहला- मानपुर-अंबागढ़ चौकी (99.84 प्रतिशत), बेमेतरा (97.8 प्रतिशत) और मुंगेली (96.52 प्रतिशत) जिलों में भी काम लगभग खत्म होने वाला है।

जहां गति धीमी वहां बनाए नोडल : *राज्य के अधिकांश जिलों में मैदानी स्तर पर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय है। कबीरधाम के 1 ब्लॉक को छोड़कर हर जगह काम शुरू हो चुका है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि बचे हुए 'प्रगति पर' कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा करने के लिए नगर निगम आयुक्तों और जिला कलेक्टर्स को विशेष नोडल अधिकारी तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।*

स्व-गणना में कई का वेरिफिकेशन नहीं

देश में पहली बार जनगणना पूर्णतः डिजिटल माध्यम से की जा रही है, जिसमें प्रगणक मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से 33 प्रश्नों की जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में आम नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ में 16 से 30 अप्रैल तक उपलब्ध 'स्व-गणना' विकल्प के माध्यम से 1,49,862 परिवारों ने वेब पोर्टल पर अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर अपनी सीधी भागीदारी सुनिश्चित की है। प्रगणक घर पहुंचते है तो इसी एसई आईडी के माध्यम से ही वे सत्यापन करते है। कई लोगों का वेरिफिकेशन नहीं होने पर दोबारा जानकारी प्रगणक खुद से भर रहे।

यात्रियों के लगेज का भार जांच रहा रेलवे, दो दिनों में 37 पर कार्रवाई, अब कचरा फैलाने वालों से भी वसूल रहे जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे स्टेशनों पर अब यदि यात्री कचरा फैलाते हुए नजर आते हैं तो उनके खिलाफ रेलवे सख्त कदम उठाते हुए सीधे जुर्माना वसूल रहा है। रेलवे प्रशासन ने अपने जांच अभियान में अब प्लेटफॉर्म की साफ-सफाई को भी प्रमुखता से शामिल कर लिया है। जांच टीमें औचक निरीक्षण के दौरान यात्रियों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रही हैं। यदि कोई यात्री प्लेटफॉर्म या पटरियों पर गंदगी फैलाते हुए पाया जाता है तो उस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जा रहा है। इस सख्त अभियान की शुरुआत रायपुर मंडल से हो चुकी है। स्टेशनों को स्वच्छ रखने की इस पहल के तहत कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। 15 मई को भाटापारा स्टेशन पर जांच के दौरान कचरा फैलाने वाले 37 यात्रियों से 3700 रुपए का जुर्माना वसूला गया। वहीं 16 मई को तिल्दा-नेवरा रेलवे स्टेशन पर भी 36 यात्रियों पर कार्रवाई करते हुए उनसे 3600 रुपए जुर्माना लिया गया। रेलवे प्रशासन गंदगी फैलाने वालों से प्रति व्यक्ति 100 से 200 रुपए तक जुर्माना वसूल रहा है।

- ओवरवेट लगेज और कचरा फैलाने वालों पर रेलवे की कार्रवाई

चेतावनी बोर्ड से आगे बढ़कर अब जमीनी स्तर पर कार्रवाई : स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने पर दंडात्मक कार्रवाई के नियम पहले से ही बने हुए थे, लेकिन अब तक यह केवल चेतावनी बोर्ड तक ही सीमित था। अब रेलवे इस नियम को जमीनी स्तर पर सख्ती से लागू कर रहा है। प्रशासन की इस सख्ती का सकारात्मक परिणाम भी स्टेशनों पर देखने को मिल रहा है और यात्री साफ-सफाई को लेकर जागरूक हो रहे हैं।

रेलवे स्टेशनों पर कचरा फैलाने वालों पर हो रही कार्रवाई , रायपुर मंडल ने तेज किया जांच अभियान

अधिक लगेज ले जाने वालों पर भी हो रही कार्रवाई

बिना टिकट यात्रा करने और स्टेशन पर गंदगी फैलाने वालों के साथ-साथ, रेलवे प्रशासन अब तय सीमा से अधिक सामान लेकर चलने वाले यात्रियों के खिलाफ भी सख्ती से पेश आ रहा है। जांच टीम ने पिछले दो दिनों के भीतर चलाए गए अभियान में क्षमता से अधिक लगेज लेकर यात्रा कर रहे 37 यात्रियों पर कार्रवाई की है। इस जांच के तहत अधिक सामान ले जाने वाले इन यात्रियों से कुल 3700 रुपए जुर्माना वसूला गया है। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों से लगातार यह अपील की जा रही है कि वे असुविधा और जुर्माने से बचने के लिए रेलवे के नियमों के मुताबिक निर्धारित वजन तक ही सामान लेकर सफर करें। स्टेशन में यात्रियों के लगेज की जांच हो रही है।

बिना टिकट यात्रियों से वसूला 4.22 लाख का जुर्माना

रायपुर मंडल प्रशासन द्वारा स्टेशनों पर सघन 'किलाबंदी' टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में भाटापारा और तिल्दा-नेवरा रेलवे स्टेशनों पर व्यापक जांच की गई। इन दोनों स्टेशनों पर की गई बड़ी कार्रवाई के दौरान कुल 4,22,925 रुपए बतौर जुर्माना वसूले गए। इसी सिलसिले में 14 मई को भाटापारा रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों और वहां से गुजरने वाली ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले 193 यात्री पकड़े गए, जिनसे 1,56,025 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। साथ ही अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 91 यात्रियों से 48,895 रुपए वसूल किए गए। इस प्रकार भाटापारा स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान के तहत कुल 342 मामले दर्ज कर 2,07,720 रुपए का कुल राजस्व प्राप्त किया गया। भाटापारा के बाद 16 मई 2026 को तिल्दा-नेवरा रेलवे स्टेशन पर भी इसी तरह का किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यहां जांच टीम ने स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों के साथ-साथ 16 विभिन्न ट्रेनों में औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई में बिना टिकट यात्रा करने वाले 285 यात्री पकड़े गए, जिनसे 1,64,595 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं अनियमित टिकट के साथ यात्रा कर रहे 96 यात्रियों से 45,310 रुपए वसूले गए। इस तरह तिल्दा-नेवरा में चेकिंग टीम ने कुल 433 मामलों को दर्ज कर 2,15,205 रुपए जुर्माना वसूला।

खबर संक्षेप

तालाब बचाने 13 सप्ताह से लगातार महाभियान

रायपुर। ग्रीन आर्मी रायपुरा जोन द्वारा गदही तालाब में विगत 13 सप्ताह से लगातार जनसहभागिता के साथ सफाई एवं श्रमदान अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को अभियान में लगभग 70 लोगों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर तालाब संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। समय बीतने के साथ लोगों का जोश, जनसमर्थन एवं सहभागिता लगातार बढ़ती जा रही है। अब यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं रहकर जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है, जिसमें हर वर्ग के लोग स्वेच्छा से जुड़ रहे हैं। अभियान में संस्था के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे, स्थानीय पार्षद महेंद्र औसर सहित डीडीनगर जोन, पुरानी बस्ती जोन, टाटीबंध जोन, ब्राह्मणपारा जोन एवं अम्लेश्वर जोन सहित ग्रीन आर्मी के विभिन्न जोन के सदस्यों ने श्रमदान किया। रायपुरा जोन अध्यक्ष सुबोध कांत निषाद एवं सचिव मेघराज हरिनखेड़े, सचिव मनीष शर्मा के नेतृत्व में संपूर्ण टीम लगातार सक्रियता एवं समर्पण के साथ कार्य कर रही है। इस दौरान नगर निगम द्वारा भी 5 कर्मचारियों को सफाई कार्य के लिए भेजा गया।

दही 20 से 40 और पनीर 40 रुपए महंगा

एलपीजी गैस, डीजल और दूध की महंगाई की मार अब दही, पनीर पर भी, महंगी होगी मिठाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के बाद डीजल और फिर दूध के दाम भी बढ़ने का बड़ा असर अब दही और पनीर पर दिखने लगा है। जहां दही के दाम में 20 से 30 रुपए का इजाफा हो गया है, वहीं पनीर के दाम भी 40 रुपए तक बढ़ गए हैं। आने वाले समय में मिठाई के दाम में भी इजाफा होगा। कुछ मिठाइयों के दाम कुछ समय पहले ही चांदी वर्क के कारण बढ़े थे, अब और दाम बढ़ाने की तैयारी है।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के युद्ध का बड़ा असर अपने प्रदेश में भी कई सेक्टरों में दिखने लगा है। रेस्टोरेंट और होटलों में कमर्शियल गैस न मिलने के कारण पहले ही नाश्ता महंगा हो गया है। अब तो गैस के दाम भी हजार रुपए तक बढ़ गए हैं। इसी के साथ डीजल की कीमत भी बढ़ गई है। बड़ी से लेकर छोटी मिठाई की दुकानों में गैस के अलावा डीजल के चूल्हों का भी इस्तेमाल किया जाता है। डीजल के दाम बढ़ने का भी असर हो रहा है। आने वाले समय में डीजल के दाम और बढ़ने की संभावना है।

किसके, कितने बढ़े दाम

राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश के जिन भी होटलों के साथ डेयरियों में दही और पनीर मिलता है, उन लोगों ने इसके दाम बढ़ा दिए हैं। जो दही पहले 120 रुपए किलो थी, उसके दाम कहीं 140 तो कहीं 160 रुपए हो गए हैं। इसी तरह से पनीर के दाम भी अलग-अलग दुकानों में अलग-अलग हैं। जहां पर पनीर के दाम 400 रुपए थे, वहां पर इसके दाम 440 रुपए और जहां पर 440 रुपए थे, वहां 480 रुपए कर दिए गए हैं। मिठाई के दाम भी बढ़ने की तैयारी है। दूध से बनने वाले मिठाइयों के दाम में भी 50 से 100 रुपए तक का इजाफा होने की संभावना है।

कीमत बढ़ाना मजबूरी

दूध के साथ-साथ कमर्शियल गैस और अब डीजल के दाम भी बढ़ गए हैं। ऐसे में दही, पनीर और नाश्ते के दाम में इजाफा करना पड़ा है। आने वाले समय में मिठाई के दाम भी बढ़ सकते हैं।

- संजय विरानी, संचालक, स्वीट इंडिया

नाश्ता और महंगा

शहर के कई होटलों में नाश्ता और महंगा हो गया है। जो दुकानदार सूखा समोसा पहले 15 रुपए में बेच रहे थे, उसके दाम किसी ने 17 तो किसी ने 20 रुपए कर दिए हैं। इसी के साथ जिन दुकानों में समोसा बनाकर पहले 30 रुपए में दिया जाता था, वहां पर इसके दाम 40 रुपए और जहां पर इसके दाम पहले 40 रुपए थे, वहां पर इसके दाम 50 रुपए हो गए हैं। इसी तरह से स्ट्रीट फूड जोन में इडली के दाम 20 से 30 रुपए हो गए हैं। 30 का दोसा 40 और 40 वाला 50 रुपए हो गया है। सांभर बड़ा 30 के स्थान पर 40 रुपए हो गया है। बड़े होटलों में इडली 50 के स्थान पर 60 रुपए, सांभर बड़ा 60 के स्थान पर 80 रुपए और दोसा 100 के स्थान पर 120 और 120 के स्थान पर 140 रुपए हो गया है।

विधायक मूणत और महापौर मीनल ने 1 करोड़ से अधिक के विकास कार्यो का किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और महापौर मीनल चौबे ने रविवार को रामकृष्ण परमहंस वार्ड के रहवासियों को 1 करोड़ रुपए से अधिक के नए विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन कर सौगात दी। श्री मूणत ने वार्डवासियों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लेने का आव्हान किया। नगर निगम जोन-8 स्थित रामकृष्ण परमहंस वार्ड में रविवार को 1 करोड़ रुपए से भी अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन पश्चिम विधायक राजेश मूणत, महापौर मीनल चौबे की उपस्थिति में किया गया।

- रामकृष्ण परमहंस वार्ड में आंगनबाड़ी, सामुदायिक भवन, सीसी रोड, पाइपलाइन कार्य होंगे

इस मौके पर वार्ड में नए आंगनबाड़ी भवन और 3 स्थानों पर सामुदायिक भवनों का लोकार्पण किया गया। साथ ही विभिन्न स्थानों पर सीसी रोड बनवाने, नाली, पुलिया निर्माण सहित पाइपलाइन विस्तार कार्य की शुरुआत हुई। श्री मूणत ने मंच से सरस्वती शिशु मंदिर रोहिणीपुरम में 25 लाख रुपए और सरस्वती शिशु मंदिर कोटा में प्रार्थना शेड लगाने 10 लाख रुपए का स्वेच्छानुदान देने की घोषणा की। इस अवसर पर स्कूल के आचार्यों और विद्यार्थियों ने मंच पर श्री मूणत का सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान महापौर मीनल चौबे ने कहा कि वार्ड के रहवासी अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अवश्य लगवाएं।

ये रहे उपस्थित

भूमिपूजन कार्यक्रम में वार्ड पार्षद अमन ठाकुर, जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, जोन-7 अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, पूर्व पार्षद सुनील चंद्राकर, ओंकार बैस, जोन-8 की कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर सहित शिक्षक कॉलोनी कोटा के स्थानीय रहवासी आदि उपस्थित रहे।

गर्मी के पीक मई में बदला मौसम, जिला अस्पताल के लू वार्ड में पसरा सन्नाटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेज गर्मी के दौरान हीट स्ट्रोक का शिकार होने वाले पीड़ितों के इलाज के लिए जिला अस्पताल में बनाया गया लू वार्ड इस बार मरीजों के लिए तरस गया है। अप्रैल के महीने में भारी गर्मी के दौरान दो मरीजों को भर्ती किया गया था। गर्मी का पीक माने जाने वाले मई महीने में इस बार एक भी मरीज अस्पताल तक नहीं पहुंचा है। इसकी एकमात्र वजह मई के पहले पखवाड़े में बादल-बारिश की गतिविधि बने रहना है।

- अप्रैल में भारी गर्मी के दौरान आए थे दो केस, इस महीने खाता नहीं खुला

जिला अस्पताल में हीट स्ट्रोक का शिकार होने वाले मरीजों के इलाज के लिए विशेष कक्ष बनाया गया है। यहां मरीजों के लिए वातानुकूलित कक्ष के अलावा गंभीर स्थिति वाले मरीजों के लिए बॉथ टब और उनके शरीर का तापमान सामान्य करने बर्फ बनाने वाली मशीन का इंतजाम भी किया गया है। अप्रैल में भारी गर्मी के दौरान इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा था कि मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी के दौरान इस वार्ड का उपयोग होगा और आने वाले मरीजों को यहां पर्याप्त इलाज मिल पाएगा। यह अनुमान गलत निकला और मई की शुरुआत गर्मी बढ़ने के बजाय बादल-बारिश के साथ हो गई। बीते एक पखवाड़े से मौसम बदलने के कारण गर्मी अपना असर नहीं दिखा पाई और काफी खर्च कर बनाया गया लू वार्ड मरीजों का इंतजार करता रह गया। जिला अस्पताल से जुड़े चिकित्सकों का कहना है कि आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने के बाद मरीज आ सकते हैं, इसलिए तैयारी पूरी रखी गई है।

सावधानी जरूरी

भले ही गर्मी अपना तेज असर नहीं दिखा रही हो, मगर उमस और दो तरीके का मौसम स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ

स्वास्थ्य केंद्रों में भी इंतजाम

जिला अस्पताल के अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी लू से निपटने इंतजाम किया गया है। यहां भी लू वार्ड बनाए गए थे और आने वाले मरीजों के लिए जरूरी दवा की व्यवस्था की गई थी। छोटे स्तर के इन अस्पतालों में भी लू की शिकायत लेकर मरीज अप्रैल में ही पहुंचे थे और अभी इस तरह की शिकायत वाले मरीज आ ही नहीं रहे हैं।

बुखार जैसी समस्या बढ़ी

वर्तमान में उमसभरी गर्मी और मौसम के उतार-चढ़ाव का असर लोगों की सेहत पर हो रहा है। इसके प्रभाव से बुखार, कमजोरी और पेट खराब होने जैसी समस्या बढ़ी हुई है। छोटे स्वास्थ केंद्रों और प्रायवेट क्लीनिकों में इस तरह के मरीजों की संख्या काफी बढ़ी हुई है। उन्हें इलाज के दौरान लक्षण आधारित दवा के साथ एंटीबायोटिक की जरूरत भी पड़ रही है।

भाजपा बोली- केंद्रीय गृहमंत्री शाह के आगमन से कांग्रेस को तकलीफ क्यों

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर प्रवास को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही बयानबाजी पर कहा, केंद्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद और आतंकवाद के खात्मे का संकल्प सिद्ध किया है। उनके बस्तर आगमन से कांग्रेस को तकलीफ होना यह साबित करता है कि कांग्रेस और नक्सलियों का भाईचारा आज भी कायम है। डॉ. मिश्रा ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से आज बस्तर नक्सल मुक्त हुआ है, जो कांग्रेसियों को रास नहीं आ रहा है।

आज बस्तर की जनता नक्सल हिंसा और खौफ के साये से मुक्त होकर पहली बार खुले आसमान में सांस ले रही है। बस्तर की धरा पर शांति, सुरक्षा और चौतरफा विकास का जो नया सवेरा हुआ है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है, लेकिन बस्तर का यह बदलाव और वहां के आदिवासियों के चेहरों की मुस्कान कांग्रेस को हजम नहीं हो रही है।

सूखने लगा जोरा का मोतीबंध तालाब, निस्तारी और नहावन तक के लिए पानी नहीं बचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन-9 क्षेत्र के पं. लालबहादुर शास्त्री वार्ड स्थित जोरा का एकमात्र मोतीबंध तालाब तेज गर्मी के कारण सूखने लगा है, इससे जोरा बस्ती सहित आसपास की कॉलोनी के रहवासियों के समक्ष निस्तारी का संकट उत्पन्न हो गया है। साथ ही शोक कार्यक्रम में दिवंगत को पानी देने की क्रिया में भी दिक्कत आने लगी है। नहावन के लायक भी तालाब में पानी नहीं बचा है। ऐसे में प्रभावित परिवार को वार्ड पार्षद से टैंकर में पानी मंगाकर ड्रम व बाल्टी के सहारे काम चलाना पड़ रहा है। यही स्थिति रही तो क्षेत्र के इकलौता तालाब पूरी तरह सूखने में देर नहीं लगेगी।

- ड्रम और बाल्टी का सहारा, नहावन के लायक नहीं रह गया तालाब
- जोरा बस्ती सहित आसपास के कॉलोनीवासियों की निस्तारी का स्त्रोत

रायपुर नगर निगम शहर के तालाबों के संरक्षण को लेकर ठोस कदम नहीं उठा पा रहा है। जोरा बस्ती में मोतीबंध तालाब एक अरसे से वहां के रहवासियों के निस्तारी का एकमात्र तालाब रहा है, पर देखरेख के अभाव में तालाब में गाद की मोटी परत जम चुकी है। तालाब की सफाई, गहरीकरण का कार्य नहीं होने से तालाब सूखने लगा है।

स्थिति ये है कि जोरा बस्ती के रहवासियों को निस्तारी की चिंता सताने लगी है। गांव में किसी के परिजन की मृत्यु होने पर आवश्यक रस्म के लिए तालाब में पर्याप्त पानी नहीं होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तालाब को भरने नगर निगम जोन-9 के कोई प्रबंध भी नहीं किया है। वार्ड पार्षद रेणु-जयंत साहू ने बताया कि तालाब को संरक्षित करने संधारण मद में 3 लाख 20 हजार की स्वीकृति मिली है, इससे तालाब गहरीकरण और सफाई का कार्य कराया जा रहा है।

दाऊ अग्रवाल समाज ने बुलाई आवश्यक बैठक

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित अग्रवाल भवन में छत्तीसगढ़ी दाऊ अग्रवाल समाज की एक आवश्यक बैठक बुलाई गई। इस दौरान समाज के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की उपस्थिति में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के खिलाफ सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक की अध्यक्षता समाज के केंद्रीय अध्यक्ष दाऊ अनुराग अग्रवाल ने की। उन्होंने बताया कि हाल ही में कृषि विश्वविद्यालय में हुए दीक्षांत समारोह के दौरान समाज की अपेक्षाओं के अनुसार कुलपति द्वारा व्यवहार नहीं किया गया, जिससे समाज में असंतोष उत्पन्न हुआ है। समाज का कहना है कि दाऊ कल्याण सिंह अग्रवाल द्वारा कृषि विश्वविद्यालय को लगभग 1800 एकड़ भूमि दान स्वरूप दी गई थी, जिसके आधार पर ही संस्थान का विकास संभव हुआ और यह विश्वविद्यालय आज कृषि अनुसंधान और किसानों के हित में कार्य कर रहा है।

पेज 09 के शेष ...

ई-फार्मेसी के निशाने पर ...

ज्यादा छूट देने के अलावा सीमित समय में जरूरी दवाएं घर तक पहुंचाकर देने की सुविधा भी दे रही है, जिसकी वजह से दवा दुकान खोलकर बैठे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। जानकारों के मुताबिक, राज्य में हर माह करीब दो सौ करोड़ का दवा एवं सर्जिकल आयटम का कारोबार होता है, इसमें से चालीस फीसदी यानी लगभग 80 लाख का कारोबार ई-फार्मा कंपनियों के खाते में जा रहा है। दवा कारोबार से जुड़े लोगों को इस बात की चिंता है कि भविष्य में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है, जिससे बरसों से दुकान खोलकर दवा का कारोबार करने वालों के सामने आर्थिक संकट आ सकता है।

गाली-गलौज करने से रोकने...

है। पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक, अनीस तथा उसके साथी दुर्ग से उर्स मनाकर भाठागांव चौक के पास एक चाय दुकान में रुककर चाय पी रहे थे। इस दौरान अनीस तथा उसके साथी आपस में गाली-गलौज कर रहे थे। मौके पर उपस्थित शिवम तथा उसके साथियों ने उन्हें गाली-गलौज करने से मना किया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया।

सरकारी जमीन से डेयरी फैक्ट्री...

संबित मिश्रा के निर्देश पर रविवार को सड्डू क्षेत्र में 1.45 एकड़ सरकारी जमीन पर चंदन डेयरी फैक्ट्री द्वारा किए गए कब्जे को जेसीबी मशीन और मजदूरों की सहायता तोड़ दिया गया। यह अभियान तहसीलदार राममूर्ति दीवान के मार्गदर्शन में पुलिस बल की मौजूदगी में चलाया गया। कार्रवाई के दौरान जोन-9 कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, सहायक अभियंता सैयद जोहेब, उप अभियंता आशुतोष पांडे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क निर्माण के दौरान हटाई...

कर रहे थे, क्योंकि इससे उन्हें करीब 3 से 4 किलोमीटर की दूरी कम तय करनी पड़ती थी। अब नई रेलिंग लगने के बाद यह अवैध शॉर्टकट पूरी तरह बंद हो चुका है और स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हो गई है।

निधन

बंसीलाल विज

रायपुर। समता कॉलोनी निवासी बंसीलाल विज (73) का 17 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 18 मई को सुबह 10 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे सुमित विज के पिता थे।

खबर संक्षेप

अस्पतालों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर जोर

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अस्पतालों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। राज्य में बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने पिछले दिनों उन्होंने मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली थी। उन्होंने सभी प्रभागों एवं शाखाओं की बारी-बारी से गहन समीक्षा की। इस दौरान अस्पतालों के बुनियादी ढांचे, दवाओं की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग व्यवस्था तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति का विस्तार से आकलन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पतालों में आवश्यक संसाधनों एवं दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार मिल सके। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया।

कम होगी बादलों की गतिविधि, तापमान बढ़ने की गुजाइंश

रायपुर। राजधानी में शनिवार को तूफानी करवट लेने के बाद बादलों की गतिविधि कम हो गई। मौसम बदलने की वजह से सामान्य से कम हो चुका तापमान अब बढ़ने के आसार हैं। कल के मौसम में हुआ बदलाव राजधानी सीमित रहा और यहां सर्वाधिक बारिश रिकार्ड की गई है। रविवार को प्रदेश का सर्वाधिक तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रायपुर का अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री रहा। मौसम विभाग के विशेषज्ञों के मुताबिक, बारिश का प्रभाव कुछ अन्य इलाकों में हुआ। बीजापुर और गौरला-पेंड्रा-मरवाही में बिजली गिरने से करीब 20 मवेशियों की मौत हो गई। इसके अलावा बिलासपुर, बस्तर के दर्जनभर से ज्यादा क्षेत्रों में बरसात हुई, मगर सर्वाधिक प्रभाव रायपुर में रहा। लभांडी, माना जैसे इलाके में वर्षा अपनी सामान्य स्थिति में रही और वहां हवा भी अपना ज्यादा असर नहीं दिखा पाई। रविवार को मौसम में बड़ा बदलाव नहीं हुआ। बादल साफ होने से धूप निकली, मगर यहां अपना ज्यादा प्रभाव नहीं दिखा पाई। अभी एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्वी उत्तरप्रदेश और उसके आसपास 0.9 किमी. ऊंचाई तक विस्तारित है। 18 मई को एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इस बीच प्रदेश में अधिकतम तापमान में वृद्धि संभावित है।

कुत्ता घुमाने निकली महिला, घर में हुई चोरी

रायपुर। राजेंद्र नगर थाने में एक महिला ने अज्ञात चोर के खिलाफ घर की आलमारी से नकदी 10

हजार रुपए तथा दो मोबाइल चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वल्लभ नगर निवासी अलका कटियार ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह वह अपने मकान पर ताला लगाकर कुत्ता घुमाने निकली थी। वापस आने पर महिला ने देखा तो महिला के मकान का एक दरवाजा खुला हुआ था। कमरे की ऊपरी मंजिल का एसी चालू था और आलमारी खुली हुई थी। जांच करने पर आलमारी से कैश तथा दो मोबाइल गायब मिले।

निजी स्कूलों में पढ़ सकेंगे गरीब बच्चे, आज से एडमिशन, पर जारी रहेगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के निजी विद्यालयों में आरटीई सीटों पर दाखिले सोमवार से प्रारंभ हो जाएंगे। जिन छात्रों के नाम पूर्व में निकाली गई लॉटरी में सामने आए हैं, वे अब विद्यालय जाकर आवश्यक दस्तावेज पेश कर प्रवेश ले सकेंगे। निजी स्कूलों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए यह निर्णय लिया है। गौरतलब है, प्रदेशभर के निजी विद्यालय आरटीई शुल्क बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर निजी स्कूल संघ ने एक मार्च से असहयोग आंदोलन प्रारंभ किया था। अब निजी स्कूलों ने स्पष्ट किया है कि उनका असहयोग आंदोलन जारी रहेगा, लेकिन वे गरीब छात्रों के भविष्य को देखते हुए सत्र 2026-27 के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू करेंगे।

निजी स्कूल संघ ने आरटीई राशि बढ़ाने शासन के समक्ष रखी थी मांग

50% से अधिक सीटें रिक्त

दो दिन पूर्व स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आरटीई प्रवेश के आंकड़ें जारी किए गए हैं। इसके अनुसार, 33 में से 29 जिलों में 50% से ऊपर दाखिले शेष थे। निजी स्कूल संघ ने इसे आंदोलन की सफलता बताया है। निजी स्कूल संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजीव गुप्ता ने रविवार को प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा, लगभग ढाई महीने के सतत आंदोलन के बाद भी हमारी मांगे नहीं मानी गई हैं। आंदोलन की सफलता से विचलित होकर स्कूल शिक्षा विभाग ने अलग-अलग तरीकों से आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया है। असहयोग आंदोलन अब सिर्फ प्रतिपूर्ति राशि बढ़ाने बस का नहीं रह गया है। इसमें इस वर्ष स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एंट्री क्लास बदलकर पहली कक्षा कर दी गई है। यह व्यवस्था पूर्व की तरह ही होनी चाहिए। गरीब परिवारों को एंट्री क्लास बदलकर शिक्षा से दूर किया जा रहा है। प्रतिवर्ष लगभग 65,000 विद्यार्थियों का प्रवेश होता था इस साल प्रदेश के स्कूलों में रिक्त सीटों की संख्या सिर्फ 22 हजार रह गई है।

खर्च सार्वजनिक करने की मांग

संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी ने निर्णय लिया है कि असहयोग आंदोलन मांगें पूरी हो जाने तक जारी रहेगा, लेकिन वंचित वर्ग के एक भी विद्यार्थियों की शिक्षा बाधित ना हो इसलिए 18 मई से प्रदेश के सभी निजी स्कूल ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए प्रवेश देने का फैसला लिया है। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने स्कूल शिक्षा विभाग से इस वर्ष शासकीय स्कूलों में होने वाली प्रति विद्यार्थी राशि को सार्वजनिक करने की मांग की है। नियमानुसार, इतनी ही राशि निजी स्कूलों को प्रतिपूर्ति राशि के रूप में देने का उल्लेख है।

बिजली विभाग के 500 कर्मी डटे रहे, एमडी समेत कई अफसर फील्ड में आए नजर

बिजली के तारों से उलझे फ्लेक्स, कई इलाकों में रातभर अंधेरा, सुबह तक चला काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी रायपुर में एक दिन पहले शाम को करीब दो घंटे तक आंधी-तूफान के साथ आई बारिश के कारण बिजली का ऐसा बड़ा झटका लगा कि पूरे शहर की बिजली गुल हो गई। बिजली गुल होने का सबसे बड़ा कारण जो सामने आया है, उसमें शहर में लगे-लगे बड़े होर्डिंग्स के फ्लेक्स हैं। ये फ्लेक्स उड़कर बिजली के तारों पर जा गिरे, जिसके कारण बिजली बंद हो गई। इसी के साथ कई स्थानों पर तारों पर पेड़ों के गिरने का असर यह हुआ कि राजधानी के कई इलाकों में रातभर बिजली बंद रही। एक दर्जन से ज्यादा खंबे भी गिर गए, जिसके कारण तार टूटे। व्यवस्था को बहाल करने के लिए रातभर बिजली विभाग का 500 से ज्यादा का अमला तो डटा ही रहा, साथ ही एमडी भीम सिंह कंवर, ईई महावीर विश्वकर्मा के साथ-साथ सभी जोन के डीई और एई के साथ मैदानी अमला रातभर काम करता रहा, तब जाकर सुबह के छह बजे तक सभी फीडरों की बिजली व्यवस्था बहाल हो सकी। सवा सौ से ज्यादा फीडरों में खराबी आई थी। इसके बाद निजी शिकायतों का निराकरण करने का काम रविवार को दिनभर चलता रहा। शनिवार की शाम को आए आंधी-तूफान ने शहर में ऐसा कहर बरपाया कि बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो हई। शहर का ऐसा कोई इलाका नहीं था जहां पर बिजली गुल नहीं हुई। एक राहत की बात यह रही कि इस बार 132 केवी का सब स्टेशन बंद नहीं हुआ जिसके कारण पूरे शहर में पूरी तरह से ब्लैक आउट नहीं हुआ। लेकिन शहर के 33 केवी के 50 फीडरों में से ज्यादातर के बंद होने के कारण 11 केवी के भी सभी फीडर भी बंद हो गए। ऐसा होते ही बिजली विभाग का अमला हरकत में आया और सबसे पहले 33 केवी के सब स्टेशनों को प्रारंभ करने का काम किया गया। इसके बाद 11 केवी के फीडरों को प्रारंभ किया गया।

एक दर्जन से ज्यादा खंबे भी गिरे, तार टूटे

फ्लेक्स बड़ी आफत

बिजली विभाग के आला अधिकारियों का कहना है कि बिजली व्यवस्था को चौपट करने में सबसे ज्यादा हाथ बड़े-बड़े होर्डिंग्स के फ्लेक्स का रहता है। से फ्लैक्स आंधी-तूफान में उड़कर बिजली के तारों पर आते है जिसके कारण शॉर्ट सर्किट होता है और बिजली के तारों के टूटने से फीडर बंद हो जाते हैं। अगर फ्लैक्स की परेशान न हो तो बिजली व्यवस्था बहाल करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

सवा सौ फीडरों में खराबी

जब बिजली विभाग के अमले से 33 केवी के फीडरों को प्रारंभ करना शुरू किया तो शहर के करीब 20 फीडरों में खराबी मिली। इसी के साथ शहर से 11 केवी 112 फीडरों में भी खराबी का पता चला। इनकी खराबी का कारण यह रहा कि ज्यादातर फीडरों की लाइन के तारों पर पेड़ और फ्लेक्स गिए हुए थे। पेड़ों और फ्लेक्स को हटाकर लाइनों को ठीक करने में लंबा समय लगा।

संसाधनों की भी कमी

बिजली विभाग के पास सबसे बड़ी समस्या संसाधनों की कमी है। विभाग को नगर निगम और वन विभाग के भरोसे रहना पड़ता है। इनसे मदद तो मिलती है, लेकिन बिजली विभाग के पास अपने संसाधन रहे तो बिजली व्यवस्था को बहाल करने में कम समय लगेगा। लेकिन विभाग के पास इसके लिए कोई बजट भी नहीं है। रायपुर में सिर्फ दो ही क्रेन सर्किल एक और दो में हैं।

सवा सौ फीडरों में खराबी

राजधानी में आंधी-तूफान के कारण पेड़ों, फ्लेक्स के तारों पर आने और खंबों के गिरने की वजह से बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई। इसको ठीक करने लिए विभाग का पूरा अमला रात भर लगा रहा तब जाकर रविवार की सुबह तक फीडरों को ठीक किया जा सका।

भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

दर्जनभर अभ्यर्थियों के दस्तावेज मिले

रेलवे में स्पोर्ट्स कोटा भर्ती के नाम पर पांच साल से चल रहा रैकेट

रेलवे स्पोर्ट्स कोटा में भर्ती के नाम पर महिला अभ्यर्थी से पांच लाख की रिश्वत, दो रेल कर्मी गिरफ्तार

- *5 लाख रिश्वत लेने के बाद आरोपियों के ठिकानों की जांच*
- *पूछताछ में आरोपियों ने कई और अफसरों के नाम का किया खुलासा*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेलवे में स्पोर्ट्स कोटा की आड़ में भर्ती करने के नाम पर बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा होने की जानकारी सीबीआई को मिली है। स्पोर्ट्स कोटा में भर्ती के नाम पर पांच लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग रेफरी व इंजीनियरिंग विभाग के डीएमएस बी. राजशेखर राव, महिला वेटलिफ्टर व टीटीई रामालक्ष्मी ने पूछताछ में सीबीआई के सामने कई अहम खुलासे किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में बी. राजशेखर, रामालक्ष्मी ने स्पोर्ट्स कोटा में भर्ती के नाम पर रिश्वतखोरी के खेल में विभागीय के साथ बाहरी लोगों के रैकेट संचालित होने की सीबीआई को जानकारी दी है। स्पोर्ट्स कोटा की आड़ में भर्ती में फर्जीवाड़े का खेल पिछले पांच साल से चल रहा है। फर्जीवाड़े की जानकारी मिलने के बाद सीबीआई इनपुट तलाश रही थी। इस दौरान रेलवे के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट से जुड़े बी. राजशेखर तथा टीटीई रामालक्ष्मी के बारे में सीबीआई को महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसी दौरान सीबीआई के पास स्पोर्ट्स कोटा में भर्ती करने रिश्वत लेने की लिखित में शिकायत मिली। इसके बाद सीबीआई ने रेलवे के दोनों कर्मियों के ठिकाने पर छापे की कार्रवाई करते हुए रिश्वत की रकम जब्त की।

एक दर्जन अभ्यर्थियों के आवेदन मिले

सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, दोनों आरोपियों के ठिकानों की तलाशी के दौरान स्पोर्ट्स कोटा में भर्ती के लिए एक दर्जन से ज्यादा अभ्यर्थियों के आवेदन मिले हैं। सीबीआई के अफसर अभ्यर्थियों के आवेदन मिलने को लेकर बी. राजशेखर तथा रामालक्ष्मी से पूछताछ कर रहे हैं। सीबीआई को आशंका है कि जिन लोगों के आवेदन मिले हैं, कहीं उन लोगों से भर्ती कराने के नाम पर पूर्व में पैसों का लेन-देन तो नहीं हुआ है।

अफसरों से होगी पूछताछ

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्पोर्ट्स कोटा के नाम पर रिश्वतखोरी में रेलवे के कई और अधिकारियों के शामिल होने की जानकारी सीबीआई के अधिकारियों को दी है। साथ ही रेलवे भर्ती फर्जीवाड़े में अन्य बाहरी लोगों के शामिल होने की जानकारी सीबीआई के अफसरों को मिली है। आरोपियों से जिन अफसरों के नाम सीबीआई को मिले हैं, उन अफसरों को पूछताछ करने सीबीआई जल्द ही उन्हें तलब कर सकती है।

अभ्यर्थियों से पूछताछ की तैयारी

बी. राजशेखर, रामालक्ष्मी के ठिकानों से जिन दर्जनभर से ज्यादा अभ्यर्थियों के आवेदन मिले हैं, सीबीआई के अफसर उन अभ्यर्थियों को तलब कर उनसे भी पूछताछ कर सकते है। सीबीआई को रेलवे भर्ती के लिए स्पोर्ट्स कोटा में पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी होने की आशंका है। इसके लिए सीबीआई रेलवे में एक दशक के भीतर स्पोर्ट्स कोटा में भर्ती के दस्तावेजों की अलग से जांच कर सकती है।

केमिस्टों की 20 को देशव्यापी हड़ताल, दवाओं की उपलब्धता पर एफडीए की विशेष नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऑनलाइन फार्मा कंपनियों के साइड इफेक्ट के विरोध में 20 मई को केमिस्टों की देशव्यापी हड़ताल के दौरान आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम सक्रिय हो गई है। हड़ताल के दौरान जनौषधि, धन्वंतरी और शासकीय के साथ निजी अस्पतालों की दवा दुकानों में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। हड़ताल के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए ड्रगिस्ट एसोसिएशन से भी मदद मांगी गई है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल ने हड़ताल को ध्यान में रखते हुए तमाम जिलों के औषधि निरीक्षकों को आवश्यक दवाओं की उपलब्धता पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। समस्त जिलों में अधिकारियों को आवश्यक जीवनरक्षक औषधियों, आपातकालीन स्वास्थ्य उत्पादों एवं चिकित्सकीय सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा गया है। आम लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शासकीय जनऔषधि केंद्रों, धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स, शासकीय चिकित्सालयों, नर्सिंग होम्स एवं अन्य औषधि वितरण केंद्रों के माध्यम से आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने कहा है।

आपात स्थिति में सहयोग के लिए ड्रगिस्ट एसोसिएशन को भेजा गया पत्र

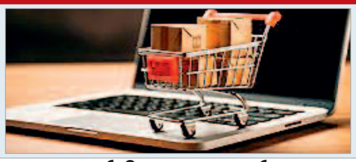

आईपीए का समर्थन

ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के 20 मई को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने भी समर्थन दिया है। आईपीए के प्रदेश सचिव राहुल वर्मा ने कहा कि फार्मेसी या मेडिकल स्टोर कोई महज किराना व्यापार नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा एक गंभीर 'प्रोफेशनल व्यवसाय' है, जिसमें नियमों की अनदेखी सीधे तौर पर नागरिकों की जान से खिलवाड़ है। आईपीए का मानना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री में दवा विशेषज्ञ (फार्मासिस्ट) का मरीज से सीधा जुड़ाव और काउंसिलिंग नहीं हो पाती, जो कि चिकित्सा विज्ञान और मरीज की सुरक्षा के लिहाज से सर्वथा अनुचित है, अतः इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए। दवाओं पर भारी छूट का प्रलोभन देना 'फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन' और मेडिकल एथिक्स के पूरी तरह खिलाफ है।

नकली प्रिसक्रिप्शन का अंदेशा

जिला दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष विनय कृपलानी ने बताया कि प्रमुख मांगों में अवैध ई-फार्मेसी संचालन पर रोक, बड़े कॉर्पोरेट एवं प्रेडेटोरिक प्राइसिंग पर नियंत्रण अधिसूचना क्रमांक 220, 26 मार्च 20 एवं 28 अगस्त की वापसी शामिल है। उन्होंने कहा कि इससे बिना चिकित्सा की पर्ची के दवाओं की बिक्री एंटीबायोटिक एवं आदत बनाने वाली दवाओं की आसान उपलब्धता नकली प्रिसक्रिप्शन तथा गलत भंडारण जैसे समस्याएं जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। कोविड-19 के दौरान जारी अधिसूचना क्रमांक 220 की अब आवश्यकता समाप्त होती चुकी है, किंतु उसका दुरुपयोग जारी है, जिससे ड्रग एंड कॉस्मेटिक नियमों के तहत आवश्यक सुरक्षा प्रावधान कमजोर हो रहे हैं।

ऑनलाइन व्यापार, असमान व्यापारिक व्यवस्था के खिलाफ व्यापारी समाज एकजुट

रायपुर। प्रदेशभर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि रविवार को राजधानी में जुटे। इस मौके पर उन्होंने ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव, ई-कॉमर्स कंपनियों की भारी डिस्काउंट संस्कृति और पारंपरिक व्यापार पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को लेकर एकजुटता जताई। कैट के पंडरी स्थित प्रदेश कार्यालय में हुई महत्वपूर्ण बैठक में व्यापारिक संगठनों ने छत्तीसगढ़ केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा 20 मई को प्रस्तावित दवा व्यापार बंद को सर्वसम्मति से समर्थन दिया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंह देव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि पंडरी स्थित कैट प्रदेश कार्यालय में हुई इस महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक बैठक में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता निभाते हुए सर्वसम्मति से दवा व्यापारी संगठनों को नैतिक समर्थन प्रदान किया। बैठक में यह स्पष्ट रूप से कहा गया कि यह केवल दवा व्यापार का विषय नहीं, बल्कि देश के सभी पारंपरिक व्यापार, छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय बाजार व्यवस्था के संरक्षण का विषय है।

कचरा कलेक्शन ठप, लोग हलाकान

सहमति के बाद भी नदारद रहे रामकी के सफाईकर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रामकी कंपनी के 269 सफाई वाहनों के 800 वाहन चालक और हेल्पर लिखित सहमति के बाद भी रविवार को काम पर नहीं लौटे। इसके चलते शहर के अधिकतर इलाकों में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन पूरी तरह ठप रहा। लगातार चौथे दिन भी रहवासी इलाकों में सफाई वाहन नहीं पहुंचने से लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। वेतन वृद्धि, पीएफ ड्यूटी टाइमिंग सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे रामकी के सफाई कर्मचारी चौथे दिन भी हड़ताल पर रहे। महज 27 छोटे वाहनों को जैसे-तैसे पुराने व कुछ

नए सफाई वाहन चालक के माध्यम से स्पॉट पर कचरा कलेक्शन के लिए लगाया गया। रामकी के सफाई कर्मचारियों, प्रबंधन तथा नगर निगम के बीच बातचीत और सफाई कर्मचारियों की लिखित सहमति के बाद भी रविवार को शहरभर में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन नहीं हुआ। इससे नगर निगम के 10 जोन स्थित 70 वार्डों के ज्यादातर इलाकों में लोगों के घरों से कचरा नहीं उठ पाया। सफाई कर्मचारी अभी भी अपने लंबित मांगों को पूरा कराने अड़े हुए हैं।

78 करोड़ का भुगतान अटका, सफाई का बेड़ागर्क

शहर की सफाई का ठेका लेने वाली रामकी कंपनी डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन का काम ठप होने के बाद भी व्यापक पैमाने पर इसकी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बना पाई है। जबकि इसी माह शहर की सफाई का आकलन करने नई दिल्ली से केंद्रीय दल रायपुर आने वाला है। ऐसे में शहर की लचर सफाई व्यवस्था रायपुर शहर की स्वच्छता रैंकिंग को प्रभावित कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी का आरोप है कि रायपुर नगर निगम ने मार्च 2025 से अब तक 78 करोड़ रुपए के बकाया बिल का भुगतान नहीं किया है।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 18 मई 2026
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02 पुरुषोत्तम मास शुरू : मांगलिक कार्यों ...

एजुकेशन लाइव

रेलवे असिस्टेंट लोको पायलट भर्ती के आवेदन शुरू, 10वीं-आईआईटी पास कर सकते हैं आवेदन

रायपुर। रेलवे एएलपी भर्ती की तैयारियों में लगे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड द्वारा असिस्टेंट लोको पायलट भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी आवेदन स्टार्ट कर दिए गए हैं। अधिसूचना के मुताबिक इस भर्ती के माध्यम से कुल 11127 रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी, जिसके लिए आवेदन 15 मई से लेकर 14 जून तक लिए जाएंगे। एप्लीकेशन फॉर्म केवल ऑनलाइन माध्यम से रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर भरा जा सकता है। अन्य किसी भी प्रकार से फॉर्म स्वीकार नहीं होंगे।

ग्रेजुएट युवा कर सकते हैं अप्लाई

रेलवे असिस्टेंट लोको पायलट भर्ती 2026 में आवेदन के लिए अभ्यर्थी का मान्यता प्राप्त बोर्ड/ संस्थान से 10वीं के साथ आईटीआई पास होना अनिवार्य है अथवा उम्मीदवार ने 10वीं के साथ इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया हो। जिन उम्मीदवारों ने इंजीनियरिंग डिग्री प्राप्त की है वे भी इस भर्ती में आवेदन के लिए पात्र होंगे। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष से कम एवं अधिकतम आयु 30 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ऊपरी उम्र में ओबीसी को 3 एवं एससी/ एसटी वर्ग को 5 वर्ष की छूट दी जाएगी। इसके साथ ही अन्य आरक्षित वर्ग एवं भूतपूर्व सैनिकों को भी ऊपरी आयु में नियमानुसार छूट दी जाएगी। उम्र की गणना 1 जुलाई 2026 को ध्यान में रखकर की जाएगी। इस भर्ती में आवेदन पत्र भरने के साथ जनरल, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग को फीस के रूप में 500 रुपए जमा करना होगा। वहीं, एससी/ एसटी/ दिव्यांग वर्ग से आने वाले अभ्यर्थियों को 250 रुपए फीस का भुगतान करना होगा। सीबीटी 1 होने के बाद **General** / **OBC** / **EWS** को 400 रुपए और **SC** / **ST**/ **PH** (**Divyang**) को पूरी फीस वापस कर दी जाएगी।

● महाराष्ट्र मंडल में तीन दिवसीय रंग संस्कार महोत्सव का हुआ समापन

रवि वर्मा द अनटोल्ड बैटल में कला साधक की कठिन संघर्षों की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों को किया रोमांचित

महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में तीन दिवसीय रंग संस्कार महोत्सव का रंगारंग संपन्न हुआ। संस्कार भारती छत्तीसगढ़ द्वारा कला साधक स्व. अशोक चंद्राकर की स्मृति में आयोजित इस तीन दिवसीय रंग संस्कार महोत्सव के क्लोजिंग सेरेमनी पर नाटक रवि वर्मा द अनटोल्ड बैटल ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। नाटक में भारतीय कला, समाज और विचारधारा के गहरे संघर्ष को कलाकारों ने अपनी अभिनय कौशल से रंगमंच पर जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

रायपुर। प्रख्यात रंगकर्मी डॉ. आनंद कुमार पांडे द्वारा निर्देशित तथा रोहित श्रीवास्तव और आनंद पांडे की संयुक्त लिखित नाटक की कहानी, मंच सच्चा, पात्रों की वेश-भूषा, संवाद, मंच प्रकाश समायोजन ने दर्शकों के मन पर गहरी छाप छोड़ने में कामयाब रही। यह नाटक महान चित्रकार राजा रवि वर्मा के जीवन के उस अनछुए संघर्ष को सामने लाता है, जिसमें उन्होंने कला की स्वतंत्रता और सामाजिक बंधनों के बीच एक नई राह बनाई। उनकी कला ने देवी-देवताओं को मानवीय रूप में प्रस्तुत कर उन्हें आमजन तक पहुंचाया, जिसके कारण उन्हें विरोध, विवाद और न्यायालय तक का सामना करना पड़ा। इस तरह से नाटक के माध्यम से कलाकारों ने दर्शकों तक एक कला के साधक की प्रतिभा व कला के प्रति उनकी तपस्या को रंग मंच पर प्रभावशाली ढंग से पहुंचाया। राजा रवि वर्मा आधुनिक भारतीय कला के जनक और 19वीं सदी के सबसे महान चित्रकारों में से एक थे। रविवर्मा ने रामायण, महाभारत और हिंदू धर्मग्रंथों के दृश्यों को कैनवास पर उतारा, जैसे- शकुंतला, द्रौपदी का चीरहरण और जटायु वध आदि रहा है।

नाटक की कहानी व दृश्यों ने नाट्य प्रेमियों को बांधे रखा

नाटक की कहानी व दृश्यों ने नाट्य प्रेमियों को आखिरी समय तक बांधे रखा। कलाकारों की लयबद्ध व प्रभावशाली संवाद, मंचन प्रस्तुति ने नाटक में जान डाल दी। दृश्यों में राजसी गरिमा को बखूबी प्रस्तुत किया गया। भूमिकाओं में संतुलित अभिनय, भावनात्मक दृश्यों, प्रभावशाली संवादों से नाटक में गहराई तक दर्शकों को जोड़े रखा। नाटक में कलाकारों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया।

इन कलाकारों ने अभिनय से किया प्रभावित

कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से पात्रों को जीवंत कर दिया। राजा रवि वर्मा की भूमिका में रोहित श्रीवास्तव, आयिलियम तिरुनाल के रूप में अल्बर्ट श्रीवास्त, थावेंद्र रजक ने थियोडोर जेम्सन और वकील की दोहरी भूमिका निभाकर अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। वहीं, आमोद श्रीवास्तव ने रामस्वामी नायकर और जज की भूमिका, सुगंधा के रूप में दिव्या राई, आचार्य चिंतामणि के रूप में मनमोहन कास्दे, अनमोल पमनानी ने बड़ौदा के महाराज, सोमनाथ साहू ने राजा राज वर्मा और मोहन श्री, देवांशु ने आर्मुखम पिल्लई और रंगनाथन के रूप में प्रभावशाली भूमिका निभाई।

सिटी इवेंट

इंजीनियरिंग व रिसर्च के लिए प्रवेश शुरू स्टूडेंट्स को मिलेगी लाखों की स्कॉलरशिप

रायपुर। ट्रिपल आईटी नया रायपुर ने एआई, अनुसंधान और भविष्य-उन्मुख शिक्षा पर विशेष फोकस प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की है। संस्थान के 2026–27 शैक्षणिक सत्र के लिए अकादमिक कार्यक्रमों में औपचारिक रूप से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके तहत इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी तथा अंतःविषय अनुसंधान में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल अध्ययन के लिए देशभर के पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसमें एमटेक चयनित फेलोज़ को 50,000 प्रतिमाह वजीफा प्रदान किया जाएगा तथा 2 लाख तक की ट्यूशन फीस छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पूर्णतः वहन की जाएगी। अन्य राज्यों के अभ्यर्थी इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे। वहीं, अंतरराष्ट्रीय शोध इंटर्नशिप हेतु स्टूडेंट्स को 5,00,000 तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसमें संस्थान का प्रमुख बीटेक कार्यक्रम तीन शाखाओं में संचालित हैं, जिसमें कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल हैं। संस्थान में उपलब्ध इन बीटेक सीटों में से 35 प्रतिशत सीटें, जिनमें विशेष रूप से महिला अभ्यर्थियों के लिए 20 प्रतिशत सुपरन्यूमेरेरी कोटा शामिल है। यह ऑल इंडिया कोटा के अंतर्गत आती हैं, जिनका आवंटन केंद्रीकृत काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा।

बीटेक व एमटेक की सीटें

बीटेक के तीन संकाय में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 102, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की 103, डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की 102 सीटें मिलाकर कुल बीटेक सीटें 307 पर प्रवेश प्रक्रिया होगी। एमटेक. सीट मैट्रिक्स 2026-27 के लिए कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 20, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की 20 मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप कार्यक्रम- प्रमुख तथ्य डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 25 सीटों वाला विशेष एमटेक कार्यक्रम केवल उन योग्य स्नातकों के लिए उपलब्ध है।

माइनर स्पेशलाइजेशन के सबजेक्ट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, ट्रिपल आई टी नया रायपुर ने शैक्षणिक वर्ष 2025 से बीटेक विद्यार्थियों को अपनी मुख्य इंजीनियरिंग डिग्री के साथ किसी विशेष क्षेत्र में माइनर कोर्स करने का विकल्प प्रदान किया है। यह माइनर स्पेशलाइजेशन के सबजेक्ट में बिजनेस इन्फॉर्मेटिक्स, साइबर सिक्योरिटी एंड फॉरेंसिक्स, डिजिटल ह्यूमैनिटीज, क्वांटम टेक्नोलॉजीज़, डिजिटल मोबिलिटी शामिल हैं।

45 दिवसीय ऑकल्ट साइंस कोर्स में युवा सीखेंगे ज्योतिष-वास्तु और ध्यान की विधाएं

रायपुर। अग्रसेन कॉलेज में 45 दिवसीय आध्यात्मिक एवं ऑकल्ट साइंस (आध्यात्मिक और गुप्त विज्ञान) क्रैश कोर्स का भव्य शुभारंभ किया गया है। इस विशेष पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और आम जनमानस को भारत की समृद्ध प्राचीन विधाओं, ज्योतिष, वास्तु, ध्यान और आध्यात्मिक ऊर्जा के वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराना है। इस 45 दिवसीय कोर्स में विषय विशेषज्ञ डॉ. नीलिमा अग्रवाल द्वारा व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। पाठ्यक्रम के अंतर्गत वैदिक ज्योतिष, हस्तरेखा विज्ञान, वास्तु शास्त्र, न्यूमरोलॉजी (अंक ज्योतिष), ध्यान, योग, चक्र हीलिंग, औरा स्कैनिंग एवं टैरो कार्ड रीडिंग जैसे विषयों पर विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जाएगा। कोर्स में विद्यार्थियों को ग्रहों की चाल और उनके मानव जीवन पर प्रभाव, हाथ की रेखाओं का विश्लेषण, घर और कार्यस्थल में सकारात्मक ऊर्जा का संतुलन, अंकों और भाग्य के संबंध, मानसिक शांति एवं तनाव प्रबंधन की तकनीकों के साथ ऊर्जा क्षेत्र और भविष्योन्मुखी मार्गदर्शन की जानकारी भी दी जाएगी।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे

इस अवसर पर महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. व्ही. के. अग्रवाल ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और बढ़ते मानसिक तनाव के बीच युवाओं को आंतरिक शांति और सही मार्गदर्शन की बेहद आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऑकल्ट साइंस केवल भविष्य देखने का माध्यम नहीं, बल्कि एक गहरा विज्ञान है जो जीवन को सही दिशा में जीने की कला सिखाता है। महाविद्यालय हमेशा से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है और यह कोर्स उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, ऑकल्ट विशेषज्ञ डॉ. नीलिमा अग्रवाल ने बताया कि इस कोर्स को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि इसे पूरा करने के बाद छात्र न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकेंगे, बल्कि इसे एक बेहतर कॅरियर विकल्प के रूप में भी अपना सकते हैं।

गीतों की सुरीली शाम में गूंजे मधुर तराने, कलाकारों ने बांधा समां

रायपुर। एक सुरीली शाम कार्यक्रम में रविवार को शहर के गायकों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विनोद क्षेतीजा, देव खटवानी, संजय दुल्हानी, वसुधा सेन, दीया मूलचंदानी एवं मीनाक्षी केसरवानी ने शानदार गीतों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। वहीं, एंकर लक्ष्य टारगेट ने अपने विशेष अंदाज़ में कार्यक्रम का संचालन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम के मार्गदर्शक दिलीप गजवानी रहे। आयोजन के डायरेक्टर विजय मोटवानी एवं डॉ. संजय लालवानी थे, जबकि व्यवस्थापक की जिम्मेदारी कमल बडवानी द्वारा निभाई गई। शाम 6:30 बजे से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में उपस्थित संगीत प्रेमियों ने देर रात तक गीत-संगीत का आनंद लिया और कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सिंगर्स को मोमेंटो प्रदान किए गए। आयोजकों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला विभाग का एल्युमिनी समारोह

एक प्यार का नगमा है...1971 बैच के स्टूडेंट्स ने गुनगुनाए अपने जमाने के सदाबहार गीत

कार्नर न्यूज

रायपुर। एक प्यार का नगमा है, मौजों की रवानी है... ज़िंदगी और कुछ भी नहीं, तेरी-मेरी कहानी है...और बहारों की मंजिल राही...जैसे अपने जमाने के सदाबाहार हिंदी फिल्मों के सॉग्स से पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला विभाग का सेमिनार हॉल गूंज उठा। यह मौका था अर्थशास्त्र अध्ययनशाला विभाग के 1971 बैच के स्टूडेंट्स एल्यूमिनी समारोह का। स्टूडेंट्स ने अपने जमाने के सदाबहार नगमें गुनगुनाकर साथी विद्यार्थियों को कॉलेज के वो गुजरने दिनों में ले गए। समारोह संस्थान के अर्थशास्त्र अध्ययनशाला विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में पूर्व-छात्र-छात्राएं शामिल होकर अपने कॉलेज कैंपस में बिताएं वे अनमोल पलों को फिर से ताजा किया। साथ ही सालों बाद मिलकर उन्होंने एक-दूसरे के साथ जीवन के नए-पुराने लम्हों को साझा किया समारोह के दौरान सभी एल्यूमिनी ने अर्थशास्त्र अध्ययनशाला से जुड़ी अपनी पुरानी स्मृतियों को भी साझा किया। उन्होंने ने बताया कि किस प्रकार विभाग ने उन्हें शिक्षा के साथ-साथ पारिवारिक स्नेह, मार्गदर्शन एवं जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की और भविष्य एक नया आयाम दिया। सभी ने अपने छात्र जीवन के संघर्ष, अनुभव एवं सफलता की कहानियां साझा करते हुए अध्ययनशाला के प्रति अपनी आत्मीयता व्यक्त कर भावुक हुए।

सांस्कृतिक गतिविधियों में दिखी कॉलेज टाइम वाली जिंदादिली

पूर्व छात्र-छात्राओं ने कॉलेज के समय की जिंदादिली और उत्साह दिखाते हुए समारोह में सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लेकर जमकर मस्ती की। उन्होंने गीत-संगीत प्रस्तुत किया और विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण आत्मीयता, सौहार्द और पुराने संबंधों की मधुर स्मृतियों से भावुक एवं आनंदमय बना रहा।

पूर्व छात्र-छात्राओं व प्रोफेसर के मिलन का सुखद एहसास

एल्यूमिनी समारोह में विभाग के पूर्व प्राध्यापक प्रोफेसर जे. भारद्वाज की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बीएल सोनकर, प्रोफेसर आरके ब्रह्मे, डॉ. अर्चना सेठी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. भूमि राज पटेल, डॉ. पंकज साहू, डॉ. रोशन साहू, डॉ. कपिल चंद्रा, डॉ. प्रगति सहित बड़ी संख्या में पूर्व छात्र-छात्राएं, शोधार्थी एवं एल्यूमिनी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभाग के अत्यंत वरिष्ठ एवं पुराने एल्यूमिनी सदस्य स्वाति पांडे, अजय पांडे, संजय गर्ग एवं उषा पांडे की विशेष सहभागिता भी रही, जिनकी उपस्थिति ने समारोह को और अधिक गरिमामय बना दिया।

समाज इवेंट

बेसहारा बुजुर्गों के चेहरे पर लौटी मुस्कान सर्व समाज संगठन ने बांटी खाद्य सामग्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन द्वारा आस्था बहुउद्देशीय कल्याण संस्था वृद्ध आश्रम में निवासरत बेसहारा वृद्धजनों के लिए खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने करीब 50 बुजुर्गों को राशन व जरूरी खाद्य सामग्री सौंपकर उनका आशीर्वाद लिया और आगे भी समय-समय पर सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया। इस सेवा कार्य में छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के अध्यक्ष मेघनाथ यादव के नेतृत्व में ब्रह्मदेव पटेल, संत कुमार केसकर, लखन लाल साहू, भोजराम डढ़सेना, विजय रात्रे, सुमित्रा रात्रे, रमेश साहू, कृष्ण कुमार पाटिल, भानु प्रताप यादव, वेद प्रकाश सूर्यवंशी, बेनी राम बघेल, अनिल खेलवार, रमाकांत अजगले, अशोक साहू सहित समिति के सदस्यगण प्रमुख रूप से शामिल हुए। सभी ने मिलकर बुजुर्गों को सामग्री वितरित की और उनका हालचाल जाना।

संगठन के अध्यक्ष मेघनाथ यादव ने बताया कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा करना है। वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए संगठन आगे भी इसी प्रकार समय-समय पर सहयोग करता रहेगा। बुजुर्गों ने संगठन के इस पहल की सराहना करते हुए सभी को आशीर्वाद दिया। सेवा भाव से किए गए इस कार्य से आश्रम का माहौल भावुक हो गया। बुजुर्गों के चेहरों पर आई मुस्कान देखकर सभी सदस्यों जल्दी ही मिलने की बातें कही।

16 जून के बाद मिलेंगे 38 लग्न मुहूर्त, होटलों और सामाजिक भवन की एडवांस बुकिंग

पुरुषोत्तम मास शुरू : मांगलिक कार्यों पर अब 15 जून तक ब्रेक लेकिन शॉपिंग और वाहन खरीद के लिए मिलेंगे खास मुहूर्त

बैंड-बाजा, बरात और विवाह की धूम पर 17 से ब्रेक लग चुका है। रविवार से शुरू हुए पुरुषोत्तम मास यानी अधिमास में प्रथम बार किए जाने वाले सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग गई है। शादी, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे काम 15 जून तक नहीं होंगे। लेकिन अच्छी बात ये है कि इस महीने में नया मकान, गाड़ी, गहने और कपड़े खरीदना बेहद शुभ माना गया है।

रायपुर। आचार्य पं संदीप तिवारी ने बताया कि अधिमास के 30 दिनों में क्या करें-क्या न करें, इसे लेकर लोगों में काफी भ्रम है। शास्त्रों में इसकी स्पष्ट व्यवस्था दी गई है। अधिक मास में इस बार दो जेठ का महिना पड़ रहा है। इस पुरूषोत्तम मास में दान, अनुष्ठान, जप,तप, हवन और तार्थाटन का सामान्य दिनों की अपेक्षा विशेष फलदायी माना गया है।

दान-पुण्य का मिलेगा अक्षय फल

इस महीने में निष्काम भाव से किए गए व्रत आदि का अक्षय फल होता है और व्रती के संपूर्ण अनिष्ट नष्ट हो जाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मलमास में की गई पूजा, जप का और दान का फल सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा है कि इस मास का फलदाता, भोक्ता और अधिष्ठाता सब कुछ मैं हूं। इसलिए इस महीने के कृत्य का अक्षय फल होता है। ब्राह्मण और साधुओं सहित दीन-दुखियों की सेवा सर्वोत्तम है।

पुरुषोत्तम मास में ये काम हैं वर्जित

आचार्य संदीप तिवारी के अनुसार अधिमास में फल प्राप्ति की कामना से किए जाने वाले सभी कार्य वर्जित हैं। इसमें गृहारंभ, गृहप्रवेश, विवाहादि मंगल कृत्य शामिल हैं। कुएं, बावली, तालाब, बोरिंग खोदना और उनकी प्रतिष्ठा करना, बाग आदि का आरंभ और प्रतिष्ठा भी नहीं करनी चाहिए। किसी व्रत का आरंभ और उद्यापन, जन्म के छह महीने बाद होने वाले संस्कार जैसे कर्णविध, मुंडन, यज्ञोपवीत, समावर्तन, विवाह, वधूप्रवेश आदि भी इस महीने में नहीं किए जाते। शास्त्रों के अनुसार, अधिमास की अवधि में विवाह व अन्य मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। लेकिन इन कामों पर नहीं है रोकहालांकि जिन कार्यों के लिए फिर मुहूर्त या अवसर नहीं मिलेंगे और वह आवश्यक हैं, उन पर रोक नहीं है। आचार्य ने बताया कि अधिकमास में नए वस्त्र खरीदने एवं धारण करने, आभूषण, फ्लैट, मकान, टीवी, फ्रिज, कूलर, एसी, नया वाहन और नित्य उपयोग की वस्तुओं को खरीदना और प्रथम बार उपयोग करना भी शुभ माना गया है।

मलमास को खरीदारी और सेवा का महीना बनाएं

मलमास 15 जून को द्वितीय ज्येष्ठ अमावस्या के साथ समाप्त होगा। इसके बाद 16 जून से स्थितियां सामान्य होंगी और 17 जून से एक बार फिर से शहनाइयां बजनी शुरू होंगी। पंचांग के अनुसार 2026 मई में मलमास के बाद जून में 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29 एवं 30 तारीख शुभ है। जुलाई में 01, 02, 06, 07, 08, 11 एवं 12 तारीख को शुभ मुहूर्त है। अगस्त, सितंबर एवं अक्टूबर महीने में शुभ-विवाह के मुहूर्त नहीं हैं। नवंबर में 20, 21, 24, 25, 26, 27 एवं 30 और दिसंबर में 01 से 13 तारीख तक मुहूर्त हैं। पंडितों ने कहा कि 17 मई से पहले अपने जरूरी मांगलिक काम निपटा लें। मलमास को खरीदारी और सेवा का महीना बनाएं। शास्त्र कहते हैं इस माह में नया सामान खरीदना और दान करना, दोनों से घर में बरकत आती है।

एंगेजमेंट सेरेमनी को यादगार बनाने कपल्स एक-दूजे को गिफ्ट कर रहे पर्सनलाइज्ड ज्वेलरी

जेन-जी में एक-दूसरे के प्रति अपनी भावनाओं को अधिक गहराई से व्यक्त करने का एक अनूठा तरीका

शादी से पहले सगाई की रस्म की परंपरा खास होती है। ऐसे में कपल्स एंगेजमेंट सेरेमनी को यादगार बनाने कुछ यूनिक करते हैं। ऐसा ही नया ट्रेंड रिंग सेरेमनी में देखने को मिल रहा है। एंगेजमेंट रिंग में अब पारंपरिक हीरों की जगह पर्सनलाइज्ड ट्रेंड ले रहे हैं, जहां कपल अटैचमेंट और प्यार को दर्शाने के लिए अंगूठी के अंदर नाम, प्यार भरे शब्दों या सगाई की तारीख लिखवा रहे हैं।

रायपुर। सदर बाजार स्थित एक ज्वेलरी शो रूम के संचालक सुरेश भंसाली ने बताया कि कपल्स के बीच नाम वाली रिंग और रोज गोल्ड का क्रेज काफी बढ़ गया है, जो रिश्ते को गहरा और यादगार बनाते हैं। कपल्स अब सगाई की अंगूठी के अंदर एक-दूसरे के नाम, शुरुआती अक्षर या सगाई की तारीखें लिखवा रहे हैं। यह एक-दूसरे के प्रति प्रतिबद्धता और जुड़ाव को दर्शाता है।

जेन-जी के बीच नाम वाली अंगूठियां काफी लोकप्रिय हैं। ये अंगूठियां न केवल स्टाइलिश लगती हैं, बल्कि पहनने वाले के व्यक्तित्व को भी दर्शाती हैं। अलग-अलग डिजाइन के बैंड्स को मिक्स-एंड-मैच करके पहनने का भी चलन है, जो एक अनोखा लुक देते हैं। यह नया चलन न केवल फैशन के बारे में है, बल्कि यह कपल्स को एक-दूसरे के प्रति अपनी भावनाओं को अधिक गहराई से व्यक्त करने का एक अनूठा तरीका भी प्रदान करता है।

कपल्स की च्वॉइस ये डिजाइन और मेटल्स के रिंग

आजकल कम हीरों वाले, पतले बैंड और सूक्ष्म डिजाइन का चलन है, जो रोजमर्रा के पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं। सफेद सोने और प्लेटिनम के साथ-साथ, गर्म और रोमांटिक लुक के लिए रोज गोल्ड और पारंपरिक येलो गोल्ड की मांग बढ़ गई है। आधुनिक युग के कपल लेब-ग्रोन हीरों को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि वे बजट में किफायती होने के साथ-साथ गुणवत्ता और चमक में नेचुरल हीरों जैसे ही होते हैं।

आर्टिफिशियल ज्वेलरी की भी बढ़ी डिमांड

गोलबाजार स्थित आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप के संचालिका श्रद्धा दुबे ने बताया कि इसमें बजट में डेली और दिन विशेष जैसे रिंग सेरेमनी, शादी पार्टी, फेस्टिवल, फंक्शन के लिए लोग कैरी कर रहे हैं। इनमें रिंग, नेकलेस, झुमका, ब्रेसलेट जैसी कई डिजाइन की ट्रेंडी और पारंपरिक ज्वेलरी का क्लेक्शन डिमांड में है। यह सस्ती धातु से बने हर किसी के बजट और ट्रेंडी फैशन ज्वेलरी में से एक हैं। ये आमतौर पर चांदी, मिश्र धातु या सस्ते बेस मेटल से बनी आकर्षक ज्वेलरी होती है।

रस्म अदायगी के लिए फ्लॉवर ज्वेलरी

शहर के रियल नेचुरल फ्लॉवर ज्वेलरी आर्टिस्ट यशवंत बताते हैं कि आजकल महंगे आभूषणों की जगह कपल्स अपनी एगंजेमेंट सेरेमनी के लिए ताजे फूलों जैसे गेंदा, गुलाब, चमेली, पत्तियों से तैयार फ्लॉवर ज्वेलरी में एसेसरीज की तरह झुमके, सगाई की अंगूठी, हार, मांग टीका में जड़े जाते हैं। ये ज्वेलरी सगाई, हल्दी या मेहंदी जैसे फंक्शन के लिए काफी ट्रेंड में है। इस रियल नेचुरल इंस्पाइरिंग बॉटनिकल ज्वेलरी की कपल्स में आजकल खूब डिमांड हो रही है।

छाछ और पानी का किया वितरण, राहगीरों को मिली राहत

रायपुर। रोज बढ़ रही भीषण गर्मी में मानव सेवा करते हुए आर्य समाज भिलाई द्वारा जलदान सेवा अभियान का संपन्न किया। इस दौरान दुर्ग भिलाई के चौक चौराहों और रेलवे स्टेशन व सार्वजनिक स्थलों पर यात्रियों, श्रमिकों और जरूरतमंदों को ठंडा पानी, छाछ, बिस्किट, नमकीन एवं फलाहार वितरित कर समाजसेवा का संदेश दिया गया। सेक्टर-6 द्वारा संचालित जल दान सेवा कार्य निरंतर जनसेवा का माध्यम बनता जा रहा है। इसके तहत रेलवे स्टेशन एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सैकड़ों जरूरतमंदों, राहगीरों, श्रमिकों और यात्रियों को ठंडा पानी, मदर डेयरी की छाछ, बिस्किट, नमकीन और फलाहारी सामग्री वितरित की गई। इस जनहितकारी अभियान में डॉ. अजय कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा, परोपकार और समाज कल्याण सर्वोच्च धर्म हैं। उन्होंने कहा कि जलदान, अन्नदान और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्य केवल सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि आत्मिक संतोष का माध्यम भी हैं।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने नाटक की दी प्रस्तुति

रायपुर। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा राज्य स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले से सन शाइन हायर सेकेंडरी स्कूल, दुर्ग के विद्यार्थियों ने नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया एवं अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रौशन किया।नाटक प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में नम्रता साहू, कंचन कौशिक, शिफा अंजुम, भाग्यश्री, अनुष्ठा टंडन, हिमांशु सोनकर, करन कुमार साहू, मोहम्मद आतिफ, रमेश कुमार साहू, प्रणमय दुबे, मीनाक्षी सिन्हा शामिल हुए। इस अवसर पर शाला की प्राचार्या नम्रता नागर के मार्गदर्शन एवं शिक्षक लोमन कुमार साहू एवं प्रगति मोहबे के विशेष सहयोग से प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

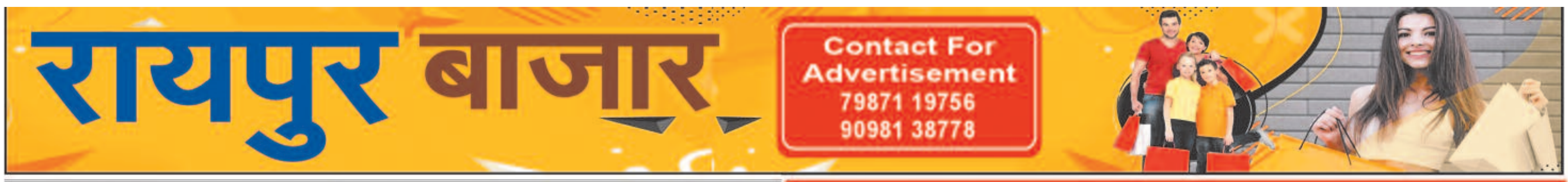

सिटी स्पोर्ट्स

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में आकर्षि ने जीता रजत पदक

दुर्ग। अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी एवं

छत्तीसगढ़ शासन में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थ आकर्षी कश्यप ने सेंट डेनिस रियूनियन में हुए इंटरनेशनल चैलेंज 2026 प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया है। अफ्रीका के पूर्वी तट, मेडागास्कर के पूर्व और मॉरिशस के दक्षिण-पश्चिम में स्थित द्वीप सेंट-डेनिस में यह प्रतियोगिता 13 मई से शुरू हुई थी और इसका समापन रविवार को हुआ। रजत पदक हासिल करने के बाद आकर्षी ने अपने पुलिस विभाग, शासन-प्रशासन को धन्यवाद कहा है, जिन्होंने हर समय सहयोग और समर्थन दिया। उन्होंने एनटीपीसी कोरबा और हीरा ग्रुप रायपुर का भी आभार जताया है, जिन्होंने उनकी बैडमिंटन की यात्रा में लगातार सहयोग किया। आकर्षी का अगला टूर्नामेंट मलेशिया मास्टर्स है, जो कुआलालम्पुर में 19 से 24 मई तक आयोजित है।

सनी लेंगे साई हॉस्टल कुरुक्षेत्र में साइकिल पोलो का प्रशिक्षण

भिलाई। इस्पात नगरी मरोदा भिलाई

निवासी साइक्लिंग खिलाड़ी सनी कुमार का चयन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के कुरुक्षेत्र साइकलिंग प्रशिक्षण केंद्र में हुआ है। भिलाई इस्पात संयंत्र साइकलिंग क्लब के बालक साइक्लिस्ट सनी कुमार ने छत्तीसगढ़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला स्टेशन मरोदा से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की है। उसकी साइकलिंग खेल की शुरुआत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला स्टेशन मरोड़ा से छठवीं कक्षा से हुई। अत्यंत साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले इस खिलाड़ी ने कठिन परिस्थितियों के बीच अपनी मेहनत, अनुशासन और संघर्ष के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ के एन. आई. एस. प्रशिक्षक प्रतीक मानोध्या उनके मुख्य प्रशिक्षक हैं। इस सफलता के पीछे छत्तीसगढ़ साइक्लिंग संघ, प्रशिक्षकों एवं गुरुजनों की वर्षों की मेहनत तथा प्रोत्साहन , मार्गदर्शन और समर्पण जुड़ा हुआ है। महासचिव विनायक चन्नावार ने बताया कि सीमित संसाधनों में ही खिलाड़ी को निरंतर तैयार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप आज वह राष्ट्रीय स्तर की अकादमी तक पहुंचा है। छत्तीसगढ़ साइकलिंग संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु द्विवेदी, बी.एस.पी.साइकलिंग क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर, बी. एस. पी.साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह तथा समस्त पदाधिकारियों ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए आशा व्यक्त की है कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के और भी खिलाड़ी देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

प्रो सॉफ्टबॉल लीग क्रिकेट में 16 टीम आमने-सामने

भिलाई। बीएसपी इस्पात क्लब द्वारा आयोजित इस्पात सुपर प्रो सॉफ्टबॉल लीग क्रिकेट प्रतियोगिता रविवार को शुरू हुई। 25 मई तक मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में होने वाली इस प्रतियोगिता में 16 टीमे भाग ले रही है। इन्हें चार पूलों में विभाजित किया गया है। पहले दिन रविवार को खेले गए मैच में टीम ब्लैक थंडर विरुद्ध रॉयल स्ट्राइकर में परिणाम रॉयल स्ट्राइकर ने तीन विकेट से जीता। बल्लेबाजी में ब्लैक थंडर टीम 86 रन पर आउट हो गई। शंभू पाल ने 21 रन और संजीत पासवान ने 18 रन बनाएं। गेंदबाजी में रॉयल स्ट्राइकर के मोहम्मद आरिफ अहमद ने तीन विकेट और तप भंवरी ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में रॉयल स्ट्राइकर ने 7 विकेट पर 92 रन बनाए। मधु इक्का ने 19 रन, सुकांता ने 15 एवं इशांत ने 13 रन बनाए। गेंदबाजी में ब्लैक थंडर के अतुल सोनी एवं विजय यादव ने दो-दो विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच मोहम्मद आरिफ अहमद रहे। मैच के अंपायर मोहम्मद दाऊद अंसारी एवं सुनील कुमार डड़सेना, स्कोरर अर्जुन एवं विवेक सिंघम थे।

डॉक्टर से जानिए इस मौसम में कैसे रहें सुरक्षित

बढ़ती गर्मी के कारण बढ़ सकती है बेहोशी-चक्कर की समस्या, बाहर निकलते वक्त रहें सावधान

देश के ज्यादातर राज्यों में इन दिनों भीषण गर्मी और लू का प्रकोप देखा जा रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक (लू) लगने का खतरा रहता है, जिसके अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के नुकसान हो सकते हैं। देश के ज्यादातर राज्यों में इन दिनों भीषण गर्मी और लू का प्रकोप देखा जा रहा है। राजधानी दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार (20 मई) को पारा 40 डिग्री और इसके आसपास देखा गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस तरह की बढ़ती गर्मी हमारी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकती है, जिसको लेकर सभी लोगों को निरंतर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। बढ़ती गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक (लू) का खतरा रहता है, जिसके अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के नुकसान हो सकते हैं। डॉक्टर बताते हैं, अत्यधिक गर्मी शरीर के थर्मोरेगुलेटरी सिस्टम (तापमान को कंट्रोल करने वाले तंत्र) को प्रभावित करती है, जिससे लू लगने, हीट एक्सहॉश्शन, चक्कर आने और बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

चूंकि इन दिनों तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है, इसलिए आपको पहले से ही कुछ सावधानियां बरतते रहना चाहिए जिससे गंभीर समस्याओं से बचा

जा सके।

हीट स्ट्रोक का बढ़ रहा है खतरा

दिल्ली स्थित एक अस्पताल में जनरल फिजिशियन डॉ रविंद्र डबास बताते हैं, गर्मी के दिनों में हीट स्ट्रोक बहुत आम समस्या है पर कुछ स्थितियों में इसके कारण गंभीर दिक्कतें भी हो सकती हैं। लू लगने की स्थिति में शरीर का तापमान 104फैरनहाइट (40सेल्सियस) या उससे अधिक हो जाता है। यह समस्या शरीर के तापमान नियंत्रित करने की क्षमता फेल हो जाने के कारण होती है।

वैसे तो हीट स्ट्रोक किसी को भी हो सकता है, पर बच्चे और बुजुर्गों में इसके मामले अधिक देखे जाते हैं। बच्चों का शरीर तेजी से गर्म होता है और वे अपनी स्थिति को सही ढंग से व्यक्त नहीं कर पाते वहीं बुजुर्गों के शरीर की थर्मोरेगुलेशन क्षमता कम होती है, इसके कारण 60 से अधिक उम्र वाले लोगों को भी लू लगने का जोखिम अधिक रहता है।

ऐसे लोगों को बरतनी चाहिए खास सावधानी

डॉक्टर कहते हैं, यदि आप गर्भवती हैं या खुले में काम करने करते हैं (जैसे मजदूर, ट्रैफिक पुलिस, किसान) तो गर्मी से बचाव के लिए निरंतर उपाय करते रहें। इसके अलावा क्रोनिक बीमारियों से पीड़ित जैसे हृदय रोग, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या मोटापा के शिकार लोगों को भी गर्मी के दिनों में विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

कैसे जानें कहीं आपको भी तो नहीं हो गया है हीट स्ट्रोक?

डॉक्टर बताते हैं हीट स्ट्रोक की स्थिति में आपको कई प्रकार की दिक्कतें होती हैं। शरीर का तापमना बढ़ जाना इसका पहला लक्षण है। इसके अलावा आपको पसीना, त्वचा लाल होने, कमजोरी या थकावट, मतली या उल्टी और चक्कर आने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर

शुरुआती स्थिति में हीट स्ट्रोक पर ध्यान न दिया जाए तो इसके कारण ब्लड प्रेशर बढ़ने या कम होने, भ्रम-दौरे या बेहोशी की दिक्कतें देखी जाती हैं। दीर्घकालिक रूप में हीट स्ट्रोक की स्थित किडनी फेलियर, ब्रेन से संबंधित समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती है।

हीट स्ट्रोक-लू से बचे रहने के लिए क्या करें?

आप कुछ आसान से उपाय करके हीट स्ट्रोक के कारण होने वाली समस्याओं से बचे रह सकते हैं।

सबसे जरूरी है कि आप हाइड्रेटेड रहें। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं, भले ही प्यास न लगे।इलेक्ट्रोलाइट्स वाले ड्रिंक्स जैसे ओआरएस या नारियल पानी का सेवन करें। दिन में 11 बजे से शाम 4 बजे तक बाहर न निकलें। घर से बाहर निकलते समय छाते, टोपी या सनग्लासेस का उपयोग करें। सूती, हल्के रंग के और हवादार कपड़े गर्मी से राहत दिलाते हैं।मौसमी फल जैसे तरबूज, खीरा, नींबू पानी, बेल का शरबत इत्यादि लाभकारी हैं।

एक फ्लोर चढ़ते ही फूलने लगती है सांस अपने शरीर की कमियों को जरूर पहचानें

क्या आप सीढ़िया चढ़ते वक्त थक जाती हैं। एक फ्लोर चढ़ते चढ़ते ही सांसें तेज हो जाती है?हार्टबीट जोर जोर से चलता है, कुछ सेकेंड के लिए ऐसा भी लगता है, कि आप बेहोश होकर गिर जाएंगी, तो आप इसे थकान या मोटापा समझकर नजरअंदाज न करें। हो सकता है कि आपके शरीर को कुछ जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो रही हो। आइए जानते हैं कि आखिर सीढ़ियां चढ़ते वक्त ऐसा महसूस होने के पीछे क्या वजह हो सकती है। इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट रामिता कौन ने जानकारी साझा की है।

एक फ्लोर चढ़ते ही क्यों फूलने लगती है सांस?

एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आपके शरीर में लो हीमोग्लोबिन है, तो ऐसा हो सकता है। बता दें कि हीमोग्लोबिन एक ऐसा प्रोटीन होता है, जो शरीर में ऑक्सीजन को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का काम करता है। जब शरीर में इसका स्तर कम हो जाता है, जो मांसपेशियों और शरीर के अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचती है। और जरा सी मेहनत करने पर भी सांस फूलने लगती हैं

बेहतर होगा कि आप हरी पत्तेदार सब्जियां, गुड़, अनार और चुकंदर का सेवन करें। विटामिन सी युक्त चीजों का सेवन

करें। डॉक्टर की सलाह पर आयरन सप्लीमेंट्स लें। बीटरूट और आमला जूस से दिन की शुरुआत करें।

अगर आपके शरीर में विटामिन बी 12 की कमी होती है, तो न्यूरोलॉजिकल सिस्टम प्रभावित होता है। इससे आपकी सांस लेने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। इसके कारण भी सांस फूलना, थकान, कमोजरी, हाथ पैरों में झुनझुनी होती है। इसके अलावा विटामिन डी की कमी भी हल्की मेहनत करने पर सांस फूलने की दिक्कत दे सकती है। सुबह की धूप लें।दूध और अंडा।मांसाहारी चीजें खाएं। डॉक्टर की सलाह पर विटामिन बी12 और विटामिन डी सप्लीमेंट्स लें। सांस फूलना एक अप्रिय अनुभूति है, जिसमें सांस लेने में असुविधा, तेजी या कठिनाई होती है। लोग कहते हैं कि उन्हें सांस फूलने, सांस फूलने या घबराहट महसूस होती है। चिकित्सा शब्द डिस्पनिया है। आपकी छाती में जकड़न महसूस हो सकती है और सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

हर किसी को सांस फूलने की समस्या हो सकती है अगर वे बस के लिए दौड़ते हैं या खुद को असामान्य सीमा तक थकाते हैं। लेकिन अगर आपको सांस फूलने की समस्या हो रही है तो डॉक्टर से सलाह लेना ज़रूरी है, क्योंकि यह किसी गंभीर अंतर्निहित समस्या के कारण हो सकता है।

सांस फूलना क्या है?

सांस फूलने को सांस फूलना और सांस लेने में कठिनाई भी कहा जाता है। सांस फूलने की समस्या से पीड़ित लोग इसे इस तरह से बता सकते हैं: साँस फूलने जैसा महसूस होना। ऐसा महसूस होना कि छाती बहुत कसी हुई है। ऐसा महसूस होना कि उन्हें पर्याप्त हवा नहीं मिल रही है भारी शारीरिक गतिविधि करते समय सांस फूलना सामान्य है, जैसे दौड़ना। हालाँकि, आराम करते समय या बहुत हल्की शारीरिक गतिविधि करते समय (जैसे घर के आसपास टहलना) सांस फूलना सामान्य नहीं है, और यह किसी मेडिकल समस्या का संकेत हो सकता है। सांस फूलने के लिए चिकित्सा शब्द डिस्पनिया है।

किचन क्या और क्यों नहीं रखना चाहिए, जान लें कुछ जरूरी बातें

किचन हमारे घर का अहम हिस्सा है। हम किचन की हाइजीन का कैसे ध्यान रख रहे हैं, यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। हम कोशिश करते हैं कि किचन साफ-सुथरा रहे। अच्छे से मेंटेन रहे, ताकि देखने में भी अच्छा लगे और खाना भी किसी तरह से कंटैमिनेट न हो। मगर फिर भी कई ऐसे कारण हैं, जिससे हाइजीन पर असर पड़ता है।

चाहे आपकी किचन कितनी भी मॉडर्न क्यों न हो, अगर उसमें कुछ चीजें मौजूद हैं तो आपको तुरंत उन्हें बाहर करना चाहिए। आइए जानते हैं कि कौन-सी हैं वे चार चीजें जिन्हें किचन में रखना एक बड़ी भूल हो सकती है।

बिल्कुल न रखें दवाइयां

आपने अक्सर देखा होगा कि लोग दवाइयों को किचन के एक कोने में स्टोर कर लेते हैं, ताकि टाइम पर याद रहे। लेकिन ये आदत नुकसानदायक हो सकती है। कुछ कफ सिरप तो फ्रिज में रख दिए जाते हैं। किचन में खाना बनाते समय उठने वाली गर्मी और भाप दवाओं की क्वालिटी को कम कर देती है। कई दवाइयों को ठंडी और सूखी जगह पर रखने की सलाह दी जाती है। कोशिश करें कि दवाइयों को एक अलग ड्रॉअर या मेडिसिन कैबिनेट में रखें, जो नमी और गर्मी से दूर हो।

डैमेज या खराब हो चुके बर्तन

कितने ऐसे बर्तन हमारे किचन में होंगे, जो स्क्रैच्ड हैं या टूट चुके हैं फिर भी हम उन्हें स्टोर करके रख सकते हैं। मगर ये चीजें आपके लिए ही मुसीबत बन जाती है। ये बर्तन बेकार में आपका स्टोरेज भर देते हैं और फिर बाकी बर्तनों के लिए जगह नहीं होती।

वहीं, स्क्रैच्ड और जंग लगे हुए बर्तन अन्य बर्तनों में जंग लगा सकते हैं। लोहे के तवे में लगा जंग हो तो वह जंग आसपास के बर्तनों में लगकर उन्हें खराब कर सकता है। स्क्रैच्ड बर्तन नए पैन और नॉन-स्टिक पैन को डैमेज कर सकते हैं। किसी भी खराब, क्रैक्ड या स्क्रैच्ड बर्तन को तुरंत निकालकर फेंकें।

क्लीनिंग एसेंशियल्स

कई लोग किचन के सिंक के नीचे या साथ में क्लीनिंग प्रोडक्ट्स जैसे फिनाइल, ब्लीच या टॉयलेट क्लीनर रख लेते हैं। इन रसायनों के रिसाव या गंध से खाने की चीजें संक्रमित हो सकती हैं।

अगर गलती से ये गिर जाएं, तो किचन में इनक गंध फैल जाएगी, जिससे आपका किचन में खड़े रहकर खाना बनाना मुश्किल हो सकता है।

इन्हें बाथरूम या किसी सेपरेट स्टोरेज एरिया में रखें, ताकि आपकी किचन सुरक्षित और साफ बना रहे। किचन की साफ करने वाले डस्टर्स और क्लीनर्स को भी एक अलग स्टोरेज का हिस्सा बनाएं।

पतली हस्तरेखाएं आपके बारे में खोलती हैं रहस्य

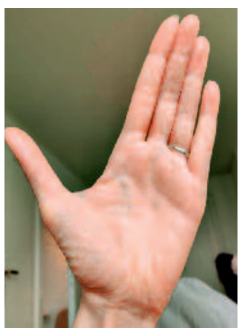

हाथ की रेखाएं व्यक्ति के भविष्य के साथ-साथ उसके व्यक्तित्व के बारे में भी बताती हैं। इसी कड़ी में आज हम ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से जानेंगे कि जिन लोगों की हथेली की रेखाएं बहुत पतली होती हैं, उनका भविष्य कैसा हो सकता है।

पतली हस्तरेखा वाले लोगों का करियर

पतली हस्तरेखा वाले लोगों का करियर बहुत उतार-चढ़ाव भरा रहता है। जिन लोगों के हाथ की रेखाएं पतली होती हैं उन्हें सेटल होने में टाइम लगता है। उनका करियर फिर चाहे वो बिज़नेस के माध्यम से हो या नौकरी के माध्यम से, ढेर से बनता है। पतली हस्तरेखा वाले लोगों को अपने करियर के दौरान कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई बार ऐसी परिस्थिति भी आ जाती है कि सारे रास्ते बंद हो जाते हैं और कुछ समझ नहीं आता कि क्या करना है लेकिन इसके बाद भी पतली हस्तरेखा वाले लोग मेहनत के बलबूते देर से ही सही पर सफलता पा लेते हैं। जिन लोगों की हाथ की रेखाएं बहुत पतली होती है उनकी लाइफ संघर्ष से भरी होती है, विशेष रूप से अगर वो संघर्ष लव लाइफ से जुड़ा हुआ हो तो। प्रेम संबंध को या फिर वैवाहिक जीवन को सुगम बनाने के लिए पतली रेखा वाले लोग अपना मान-सम्मान, आत्मसम्मान तक की चिंता नहीं करते हैं लेकिन इसके बाद भी इनके प्रति इनका पार्टनर कठोर बना रहता है। हां, मगर ये अपनी कोशिशों से अपने पार्टनर का दिल जीत ही लेते हैं और अपनी मैरिज या लव लाइफ को सक्सेस की तरफ ले जाते हैं।

कार्नर न्यूज

छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों छाया क्रिकेट का रोमांच

एलिट ग्रुप पांचवें राउंड के मुकाबले भिलाई राजहरा, धमतरी और कांकेर में जारी

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-16 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के पांचवें राउंड के दूसरे दिन रविवार को शानदार मुकाबले हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में टीम बीएसपी विरुद्ध राजनांदगांव में बल्लेबाजी करते हुए राजनांदगांव ने पहली पारी में 6 विकेट पर 190 रन बनाए। इनमें अखिलेश सोनकर ने नॉट आउट 54 रन और शौर्य परिहार ने 44 रन बनाए। गेंदबाजी में बीएसपी के कुमार सिद्धार्थ द्विवेदी ने तीन विकेट लिए।

धमतरी में टीम भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन विरुद्ध रायपुर के बीच मैच में बल्लेबाजी करते हुए भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन की टीम पहली पारी में 202 रन पर आउट हो गई। इनमें जे साईं आदित्य ने 59 रन और नमन गोयल ने नॉट आउट 55 रन बनाए। गेंदबाजी में रायपुर के अभिनव सिंह ने तीन विकेट और अथर्व सिंह ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में रायपुर ने पहली पारी में दो विकेट पर 70 रन बनाए। अथर्व सिंह ने नॉट आउट 47 रन बनाए। गेंदबाजी में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के ए ऋषिक ने दो विकेट लिए।

दल्ली राजहरा में हुए मैच में टीम

रायपुर ब्लू विरुद्ध कोरबा के बीच बल्लेबाजी करते हुए रायपुर ब्लू टीम पहली पारी में 340 रन पर आउट हो गई। शौर्य जायसवाल ने 115 रन, अभिनव गर्ग ने 61 रन और पेरुगूआर्यन ने 50 रन बनाए। गेंदबाजी में कोरबा के श्रेयांश त्रिपाठी ने चार विकेट, देवांश तिवारी ने दो एवं भावेश दुबे ने भी दो विकेट लिए।

न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम दुर्ग विरुद्ध कवर्धा के मैच में बल्लेबाजी करते हुए दुर्ग टीम पहली पारी में 275 रन पर आउट हो गई। सौरभ भारती ने 94, विश्वदीप साहू ने 55, संगम सिंह भाटिया ने 42 और वेदांत पांडे ने 33 रन बनाए। गेंदबाजी में कवर्धा के आदर्श देवांगन ने चार और अभिनव साहू ने तीन विकेट लिए। बल्लेबाजी में कवर्धा ने पहली पारी चार विकेट पर 82 रन बनाए। हिमांशु पटेल ने 34 और भव्य जैन ने 21 रन बनाए। गेंदबाजी में दुर्ग के मोहम्मद हनन कुरैशी ने दो विकेट लिए।

सीनियर महिला क्रिकेटर उतरीं मैदान में

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-23 एवं सीनियर महिला एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को शानदार मैच हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम सेंट्रल जोन विरुद्ध साउथ जोन में परिणाम सेंट्रल जोन ने 41 रन से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में सेंट्रल जोन ने आठ विकेट पर 147 रन बनाए। कप्तान कृति गुप्ता ने 48 रन और सेजल वर्मा ने नॉट आउट 32 रन बनाए। गेंदबाजी में साउथ जोन की संजीता पटेल ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में साउथ जोन की टीम 106 रन पर आउट हो गई। शिवी पांडे ने 41 रन और संचिता पटेल ने 22 रन बनाएं। गेंदबाजी में सेंट्रल जोन की जपनीत कौर ने 5 विकेट, पवनी ताम्रकार एवं श्रद्धा वैष्णव ने दो-दो विकेट लिए।

वहीं कल्याण कॉलेज ग्राउंड में टीम वेस्ट जोन विरुद्ध नॉर्थ जोन में परिणाम वेस्ट जोन ने 26 रन से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में वेस्ट जोन ने 5 विकेट पर 148 रन बनाए। कुमुद साहू ने 33 रन, संजना पारधि ने 27 रन निधि, सूर्यवंशी ने 25 रन और सोनाली यादव ने 21 रन बनाए। गेंदबाजी में नॉर्थ जोन की योगिता लहरे, साक्षी शुक्ला, किरण वर्मा, देवकी वर्मा एवं मानश्री निर्मलकर ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में नॉर्थ जोन ने 4 विकेट पर 122 रन बनाए। इनमें मानसी मौर्य ने 45 रन,मिताली शर्मा ने नॉट आउट 29 रन और कैप्टन सृष्टि शर्मा ने 22 रन बनाए। गेंदबाजी में वेस्ट जोन की अंजली शर्मा ने दो विकेट लिए।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ब्लेक और जस्टिन के बीच सेटेलमेंट, को-स्टार्स के बीच कानूनी लड़ाई खत्म होने के संकेत

एक्ट्रेस ब्लेक लाइवली और जस्टिन बाल्डोनी की कानूनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। अब सुनने में आया है कि दोनों ने इस शर्त पर समझौता कर लिया है।

अगस्त 2024 में हॉलीवुड एक्ट्रेस ब्लेक लाइवली ने साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'इट एंड्स विद अस' के को-स्टार और डायरेक्टर जस्टिन बाल्डोनी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इसके बाद से ही यह विवाद दुनियाभर में चर्चा में रहा। हालांकि, बीते 4 मई को दोनों कलाकारों ने इस मामले पर कोर्ट के बाहर सेटलमेंट कर लिया है। बीते दिनों ब्लेक और जस्टिन के बीच चल रहे इस कानूनी विवाद में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच अब समझौता हो चुका है। इस समझौते में किसी तरह का कोई वित्तीय मुआवजा नहीं दिया गया है। हालांकि, कानूनी लड़ाई अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने यह भी कहा है कि अगर कोई इस समय गोपनीय समझौते की शर्तों की पुष्टि करता है तो वह गुमराह कर रहा है। इस गोपनीय समझौते के बारे में अधिक जानकारी आने वाले दिनों में अदालत के रिकॉर्ड में होगी।

मामले में पिछले महीने ही कोर्ट ने लाइवली के कई दावे किए जिनमें यौन उत्पीड़न का दावा भी शामिल था, जिसे बाद में खारिज कर दिया गया। ब्लेक लाइवली ने अदालत में यौन उत्पीड़न के आलावा तीन और दावे पेश किए थे। मगर इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने अपने तीनों दावे वापस ले लिए। इनमें से कुछ दावे उन्होंने बाल्डोनी की सह-स्थापित प्रोडक्शन कंपनी वेफेयर स्टूडियोज और उसके प्रचारकों की टीम के खिलाफ किए थे।

टॉलीवुड

राम चरण की 'पेद्दी' के निर्माताओं ने दी अहम जानकारी, फिल्म के प्रीमियर को लेकर कही यह बात

राम चरण की आगामी फिल्म 'पेद्दी' के निर्माताओं ने फिल्म को लेकर अहम घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के प्रीमियर को लेकर भी खास बात बताई है।

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म की रिलीज डेट कई बार टाली जा चुकी है। इसी बीच आज निर्माताओं ने फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है।

फिल्म 'पेद्दी' के निर्माताओं ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए लिखा, 'पेद्दी' की एडिटिंग फाइनल हो गई है। 3 जून 2026 को इसका भव्य प्रीमियर होगा और 4 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी।

इससे एक हफ्ते पहले फिल्म के कैमरामैन आर। रत्नवेलु ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने राम चरण की तारीफ करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना बहुत खास और यादगार रहा। उन्होंने राम चरण को न सिर्फ अच्छा अभिनेता, बल्कि अच्छा इंसान और दोस्त भी बताया। 'पेद्दी' एक ग्रामीण एक्शन ड्रामा फिल्म है। 'पेद्दी' का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। इस फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में शिव राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु और बोमन ईरानी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

भोजपुरी

पावरस्टार पवन का गाना 'टच बडी' हुआ रिलीज, लोग बोले- साउथ में भोजपुरी तड़का

भोजपुरी फिल्मों के पावरस्टार कहे जाने वाले एक्टर और सिंगर पवन सिंह का गाना 'टच बडी' रिलीज हो गया है। इस गाने का लोगों के बीच काफी क्रेज नजर आ रहा है।

भोजपुरी फिल्मों के पावरस्टार कहे जाने वाले एक्टर पवन सिंह इन दिनों काफी चर्चा में बने हुए हैं। पवन सिंह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर तो सुर्खियां बटोर ही रहे हैं। इसके साथ ही हाल ही में उनका मोस्ट अवेटेड सॉन्ग 'टच बडी' भी रिलीज हो गया है। इस गाने को दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिल रहा है। खासतौर से पवन सिंह को चाहने वाले तो इस गाने की रिलीज का इंतजार ही कर रहे थे। ये गाना 'टच बडी' मृणाल ठाकुर और आदि विशेष की फिल्म 'डकैत' का है। इस गने को पवन सिंह ने गाया है। इस गाने के वीडियो में खुद पावरस्टार पवन सिंह, आदि विशेष और एक्ट्रेस जोनिता गांधी नजर आ रही हैं। ये एक आइटम नंबर है, जो दर्शकों के लिए एक पावर पैक्ड ट्रीट से कम नहीं है। खासतौर से इस गाने के जरिए अब पवन सिंह ने साउथ सिनेमा में भी कदम रख दिया है। ये गाना रिलीज के साथ खूब पसंद किया जा रहा है। फैंस सोशल मीडिया पर इस गाने को लेकर तरह- तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सबसे अच्छा लोगों को इस बात से लग रहा है कि, इस गाने के जरिए भोजपुरी स्टार पवन सिंह अब साउथ सिनेमा में भी कदम रख रहे हैं। इस गाने के रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर भी लोगों के रिएक्शंस आना शुरू हो गए हैं। कोई इसे भोजपुरी और साउथ का मिलन बता रहा है। तो कोई इसे अभी से ही सुपरहित बता रहा है। तो वहीं किसी ने लिखा है 'भैया तो गरदा उड़ा दिए'।

बता दें कि ये गाना 'डकैतः एक प्रेम कथा' फिल्म का है। इस गाने को आज ही गोरखपुर में लॉन्च किया गया है। जहां अदि विशेष, जोनिता गांधी और पवन सिंह भी पहुंचे थे। इस गाने के लिरिक्स वायु श्रीवास्तव ने लिखे हैं।

एंजल का जलवा

मशहूर मॉडल एंजल रीस पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क शहर में थी। यहां स्टाइनर स्टूडियो में विक्टोरियाज़ सीक्रेट फैशन शो के दौरान रनवे पर उन्होंने सनसनी मचा दी।

गमछा बना फैशन ट्रेंड, सिर से लेकर गले तक में ऐसे करें स्टाइल

गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान और तेज धूप से बचने के लिए लोग कई तरह के कपड़े और एक्सेसरीज का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन देसी अंदाज में सबसे ज्यादा उपयोगी और आरामदायक चीजों में गमछा सबसे आगे माना जाता है। सही तरीके से स्टाइल किया गया गमछा आपके लुक को देसी और ट्रेंडी दोनों बना सकता है।

सिर पर बांधकर देसी लुक

गमछा को सिर पर बांधना सबसे पुराना और सबसे उपयोगी तरीका माना जाता है, खासकर गर्मियों में। इसे पगड़ी या स्कार्फ की तरह सिर पर लपेटकर बांधने से तेज धूप सीधे सिर पर नहीं पड़ती, जिससे लू और हीट स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है। यह स्टाइल खेतों में काम करने वाले लोगों से लेकर यात्रा करने वालों तक सभी के लिए बेहद काम का है। साथ ही, यह लुक एकदम देसी, मजबूत और रफ-टफ पर्सनैलिटी दिखाता है, जो आजकल फैशन में भी ट्रेंड कर रहा है।

गले में स्कार्फ स्टाइल

गमछा को गले में स्कार्फ की तरह पहनना आज के युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है। इसे हल्के फोल्ड करके गर्दन में डालकर एक साइड नॉट या फ्रंट लूज टाई किया जाता है। यह स्टाइल कैजुअल टी-शर्ट, शर्ट या जींस के साथ बहुत अच्छा लगता है। इससे न सिर्फ पसीना कम महसूस होता है, बल्कि एक स्टाइलिश और ट्रेंडी लुक भी मिलता है। यह तरीका ऑफिस कैजुअल से लेकर आउटिंग तक हर जगह अपनाया जा सकता है।

कंधे पर कैरी लुक

गमछा को कंधे पर कैरी करना सबसे सिंपल लेकिन स्टाइलिश तरीका है। इसमें गमछा को एक तरफ कंधे पर डालकर खुला छोड़ दिया जाता है या हल्का सा फोल्ड करके रखा जाता है। यह लुक बहुत ही नेचुरल और देसी चार्म देता है। खासकर गर्मियों में यह स्टाइल उन लोगों के लिए अच्छा है जो हल्का और आरामदायक फैशन पसंद करते हैं। यह तरीका कम मेहनत में भी आपको एक अलग पहचान देता है।

फेस कवर स्टाइल

गमछा को फेस कवर की तरह इस्तेमाल करना धूल, धूप और गर्म हवा से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है। इसे बाइक चलाते समय या ट्रैवल के दौरान नाक और मुंह पर बांधकर मास्क की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। यह स्टाइल खासकर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो लंबे समय तक बाहर रहते हैं। इससे चेहरे की स्किन भी सुरक्षित रहती है और धूल से होने वाली एलर्जी का खतरा भी कम हो जाता है।

खरीदने जा रही हैं कुर्ता तो रखें इन बातों का ध्यान, देखकर लोग करेंगे तारीफ

हर उम्र की महिला के पास कुर्तों का कलेक्शन तो मिल ही जाता है। महिलाएं कुर्ता पहन कर काफी कंफर्टेबल रहती हैं। इसको खरीदते वक्त आपको कुर्ते के ढेरों पैटर्न, कलर्स, स्टाइल आसानी से मिल जाते हैं। इसे महिलाएं प्लाजो, जींस, स्कर्ट और पैंट के साथ भी कैरी करती हैं। महिलाएं सबसे ज्यादा क्लासिक ए-लाइन कुर्ता से लेकर लेटेस्ट ट्रेंड हाई एंड लो कुर्ता तक में काफी कंफर्टेबल रहती हैं। हर तरीके के कुर्ते बाजार से लेकर ऑनलाइन आसानी से मिल जाते हैं।

कुर्ता खरीदने वाली हर महिला के लिए ये जानना बेहद जरूरी है कि वो कुर्ता खरीदते वक्त क्या देखती हैं। दरअसल, जिस तरह से एक परफेक्ट कुर्ते में आपका लुक निखर सकता है, वहीं दूसरी ओर अगर कुर्ता सही नहीं होगी तो ये आपके लुक को खराब कर सकता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान आपको कुर्ता खरीदते वक्त जरूर रखना चाहिए।

रखें फैब्रिक का ध्यान

कुर्ता खरीदते समय उसके फैब्रिक पर ध्यान जरूर दें। हमेशा मौसम के हिसाब से ही कुर्ता खरीदना चाहिए। अगर कुर्ते का फैब्रिक ज्यादा हल्का होगा तो ये ज्यादा चलेगा नहीं, वहीं ज्यादा मोटा होने पर ये गर्मी कर सकता है।

पैटर्न

हर कार्यक्रम के हिसाब से कुर्ते के पैटर्न अलग-अलग आते हैं। अगर आपको स्टेटमेंट लुक चाहिए तो सिंपल ए लाइन कुर्ता ही बेस्ट है पर, जिन महिलाओं को एवरग्रीन लुक चाहिए, वो क्लासिक अनारकली या अंगरखा स्टाइल में से कुछ चुन सकती हैं। ये देखने में काफी क्लासी लगते हैं।

डेड स्किन को हटाने में मदद करेगा घरेलू स्क्रब

अक्सर तेज धूप और बाहर मौजूद प्रदूषण के कारण चेहरे की त्वचा पर टैनिंग होने लगती है, जिसके कारण त्वचा पर डेड स्किन की लेयर बन जाती है और त्वचा बेजान नजर अआने लगती है। इसके लिए आप घरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बेसन में मौजूद प्रॉपर्टी त्वचा के ऊपर जमी टैनिंग को कम करने में मदद करता है। त्वचा में होने वाले किसी भी तरह के स्किन इन्फेक्शन को होने से रोकने के लिए बेसन बेहद मददगार होता है। चेहरे पर मौजूद पोर्स को डीप क्लीन करने के लिए बेसन काम मरी आता है। खीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स तत्व त्वचा को नमी प्रदान करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद तत्व स्किन को डीप क्लीन करने के काम आते हैं। साथ ही इसमें मौजूद मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट तत्व चेहरे पर मौजूद पोर्स का साइज बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं।

डेड स्किन को हटाने के लिए आप कुछ घरेलू स्क्रब आजमा सकते हैं, जैसे कॉफी और शहद का स्क्रब, या ओट्स और शहद का स्क्रब। इन स्क्रबों में प्राकृतिक सामग्री होती है जो त्वचा

को एक्सफोलिएट करके डेड स्किन को हटाने में मदद करती है। कॉफी और शहद का स्क्रब बनाने 1 चम्मच कॉफी पाउडर में 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। 5-10 मिनट बाद धो लें।

ओट्स और शहद का स्क्रब बनाने 2 चम्मच ओट्स को पीसकर पाउडर बना लें। 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। 5-10 मिनट बाद धो लें।

आप नारियल के तेल और कॉफी का भी स्क्रब बना सकते हैं, जो त्वचा को हाइड्रेट करने में भी मदद करता है। चंदन पाउडर और गुलाब जल का स्क्रब त्वचा को शांत और हल्का करने में मदद करता है।

कभी काम नहीं करती हैं ये हेयर केयर रेमेडीज कहीं आप भी तो नहीं कर रहीं इन्हें ट्राई?

हेयर फॉल की समस्या, ग्रे हेयर की समस्या, स्प्लिट एंड्स की प्रॉब्लम, खुजली वाले स्कैल्प की प्रॉब्लम और ना जाने क्या-क्या। ऐसे में हम कई बार अपने बालों पर केमिकल ट्रीटमेंट्स ट्राई करते हैं, तो कई बार हम देसी नुस्खों के पीछे भागते हैं, लेकिन इनसे फर्क कितना पड़ता है? डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर आंचल पंथ के मुताबिक होम रेमेडीज कुछ हद तक असर तो करती हैं, लेकिन इनमें से कुछ ऐसी होती हैं जिनसे कुछ भी नहीं हो पाता है। कई बार इन होम रेमेडीज के कारण हम अपनी सेहत को बिगाड़ भी लेते हैं।

मिथकः नींबू की मदद से कम होता है डैंड्रफ

डॉक्टर आंचल के मुताबिक, नींबू की वजह से डैंड्रफ कम नहीं होता है और यह बस स्कैल्प में आए ऑयल को थोड़ा कम करता है। कई लोग लगभग हर हफ्ते नींबू का इस्तेमाल करते हैं और उनका ऐसा करना उनके स्कैल्प को और ज्यादा डैमेज कर देता है।

क्यों स्कैल्प पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए नींबू?नींबू काफी ज्यादा एसिडिक होता है जिससे बालों का झड़ना बढ़ सकता है।

नींबू में सिट्रिक एसिड बहुत होता है जो सूरज की किरणों के प्रति काफी संवेदनशील होता है और इसके कारण जब भी आप नींबू का रस लगाकर बाहर जाती हैं, तो यह धूप के कारण रिएक्ट करता है। ऐसे में स्कैल्प में खुजली, इन्फेक्शन, रैशेज, छोटे दाने और कोई और बड़ी बीमारी हो सकती है। नींबू का रस सीधे बालों पर लगाने से बाल जल्दी सफेद हो सकते हैं। इसका कारण इसमें मौजूद एसिडिक कंटेंट ही है। कभी कभार किसी देसी नुस्खे में नींबू का रस मिलाया जा सकता है क्योंकि इसमें विटामिन-सी होता है, लेकिन फिर भी यह आपके बालों पर असर करेगा या नहीं इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। डॉक्टर आंचल के मुताबिक नींबू का रस फायदे से ज्यादा नुकसान करता है।

कार्नर न्यूज

दुल्हन की मां पर अच्छी लगेंगी लेटेस्ट ट्रेंड वाली ज्वेलरी

शादी में सिर्फ दुल्हन ही नहीं, मां के लिए भी होनी चाहिए खास ज्वेलरी, ट्रेंड में है कुछ बेहतरीन डिजाइंस

गर्मियों के इस दौर में सीजन शादी का भी है। बेटी की शादी मां के लिए खास होती है। इसलिए वो भी इस दिन का बेसब्री से इंतजार करती है। इसी वजह से वो अपनी बेटी और अपने लिए हर चीज खास होती है। बेटी की शादी करना माता-पिता का सपना होता है। जब बेटी बड़ी होने लगती है, तो उन्हें भी लगता है कि अब बेटी की शादी करवानी चाहिए। इसलिए वो अपनी बेटी के लिए अच्छे से अच्छा वर ढूंढते हैं और बेटी की शादी करवाते हैं। लेकिन सपना तब पूरा होता है, जब उनकी बेटी दुल्हन बने उनके सामने आती है। लेकिन बेटी भी हमेशा अपनी मां को अच्छा देखना चाहती है। ऐसे में आप अपनी मां के लिए शादी वाले दिन पहनने वाली ज्वेलरी के इन डिजाइन को खरीद सकती हैं। यह साड़ी और लहंगा हर आउटफिट के साथ अच्छी लगेगी।

साड़ी के साथ पहनें गोल्डन टेंपल ज्वेलरी

कई सारी मां ऐसी होती हैं, जो साड़ी पहनना काफी पसंद करती हैं। यही वजह है कि वो अपनी बेटी की शादी

में भी अलग और अच्छी डिजाइन की साड़ी खरीदकर उसे स्टाइल करती हैं। लेकिन इस हैवी साड़ी लुक को कंप्लीट करने के लिए ज्वेलरी भी जरूरी है। ऐसे में आप अपनी मां के लिए गोल्डन कलर की टेंपल ज्वेलरी को खरीद सकती हैं। इस तरह की ज्वेलरी हर साड़ी के साथ अच्छी लगेगी। साथ ही, इसमें आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा। इसमें आप लॉन्ग नेकलेस सेट भी खरीद सकती हैं। साथ ही, चाहें तो चोकर सेट ले सकती हैं।

लहंगे के साथ पहनें पर्ल ज्वेलरी सेट

अगर आप लहंगा पहन रही हैं, तो इसके साथ आप स्टोन पर्ल ज्वेलरी को वियर कर सकती हैं। इस तरह की ज्वेलरी पहनने के बाद अच्छी लगेगी। साथ ही, आपके लुक को ज्यादा हैवी टच नहीं देगी। इसमें आप चोकर सेट की जगह लॉन्ग नेकलेस सेट को वियर करें, जो पहनने के बाद अच्छी लगेगी। इससे आपका लुक भी सबसे अलग लगेगा।

स्टोन वर्क ज्वेलरी सेट करें वियर

बेटी की शादी में सुंदर दिखने के लिए आप स्टोन वर्क ज्वेलरी सेट को साड़ी और लहंगा दोनों के साथ वियर कर सकती हैं। इसमें आपको पूरे सेट में स्टोन वर्क मिलेगा। वहीं नीचे की तरफ की लटकन में पर्ल का डिजाइन मिलेगा। इयररिंग्स भी थोड़े लंबे मिलेंगे। इससे आपका पूरा सेट और लुक दोनों अच्छे लगेंगे। अगर आप मांग टीका लगाना चाहती हैं, तो उसे भी आप आउटफिट के साथ लगा सकती हैं। मार्केट में इस तरह के ज्वेलरी सेट आपको 1,000 से 1,200 रुपये में मिल जाएंगे।